RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 11 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 17 दिसम्बर 2020 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

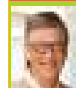

स्वयं की तुलना किसी और के साथ न करें, यदि आप ऐसा करते है, तो आप खुद का अपमान कर रहे है।

बिल गेट्स

ट्रिपल मर्डर केस के बाद रतलाम में फिर हुई युवक की गोली मार के हत्या

पीएम में युवक के सिर से मिली गोली, पुलिस जांच में जूटी

माही की गूंज, रतलाम।

सोमवार रात सड़क किनारे मिले जिस युवक की मौत का कारण सड़क हादसा माना जा रहा था, उसमें चोंकाने वाला खुलासा हुआ है, युवक का शव जिला अस्पताल लाया गया, तो पोस्टमार्टम में सिर में गोली लगने की पुष्टी हुई। वहीं रतलाम के ओद्योगिक थाना प्रभारी रेवलसिंह बर्डे ने बताया कि, ग्राम बड़लीपाड़ा निवासी मुकेश निनामा (21) रतलाम में एक माईक्रोफाईनेंस कंपनी में कर्मचारी था। सोमवार शाम भी बैंक से हर दिन की तरह घर के लिए बाईक से निकला था, परंतु मुंशीपाड़ा के पास रास्ते में उसका शव गड्ढे में पड़ा मिला। सोमवार शाम को उसका भाई भी अपने काम के बाद घर लौट रहा था, जब ग्राम रामपुरिया और बड़लीपाड़ा के बीच सड़क किनारे गड्ढे के पास भीड़ लगी हुई थी। उसे देखकर वह भी रुका तो भीड़ में मौजूद लोगों ने बताया कि, नीचे बाईक सहित एक युवक पड़ा हुआ है, जिसका संभवतः एक्सीडेंट हुआ है। नीचे देखा तो अपने ही भाई और उसकी बाईक को पड़ा देखकर तुरंत ग्रामीणों की मदद से उसे उठाया और एम्बुलेंस से उसे जिला अस्पताल लाया गया। मंगलवार सुबह जब डॉक्टर ने पोस्टमार्टम किया तो उसके सिर के पिछले

हिस्से से गोली निकली। अब इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच प्रारंभ कर दी है। एसपी रतलाम गौरव तिवारी का कहना है कि, सड़क किनारे मिली युवक की लाश के मामले में पीएम के बाद युवक के सिर में गोली लगने की जानकारी मिली है, पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा कर देगी। रतलाम में कुछ दिन पूर्व ही ट्रिपल मर्डर का मामला हुआ था जिसमे गोली मारकर हत्या की गई थी हालांकि पूरे मामले का पुलिस द्वारा खुलासा किया जा चुका है और मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है लेकिन फिर से गोली मारकर हुई हत्या का प्रकरण सामने आने से लोगो मे दहशत का माहौल है।

अवैध हथियार का कारोबार चरम पर, कसनी होगी नकेल

इन दिनों रतलाम सहित आस-पास के जिलो में अवैध हथियार का कारोबार जमकर फल-फूल रहा है, जिस तरह पुलिस लगातार अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध मुहिम चला रही है उसी प्रकार अवैध हथियार के व्यवसाय से जुड़े लोगों को विरुद्ध अभियान चलाने की आवश्यकता है।

ममता को ओवैसी का करारा जवाब- पैसे से हमें खरीदने वाला आजतक कोई नही हुआ पैदा

नई दिल्ली एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सियासी सरगर्मियां तेज हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला करते वक्त असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को भाजपा का बी टीम बताया था और कहा था कि, भाजपा एआईएमआईएम को पैसे देकर अल्पसंख्यक वोट बंटवा रही है। जिस पर असदुद्दीन ओवैसी ने ममता बनर्जी को करारा जवाब दिया है। ओवैसी ने कहा कि है कि, ऐसा कभी कोई पैदा नहीं हुआ, जो असदुद्दीन ओवैसी को पैसे से खरीद सके। उन्होंने कहा कि, ममता बनर्जी को अपने घर की चिंता करनी चाहिए।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, ओवैसी ने कहा, कभी कोई ऐसा आदमी पैदा नहीं हुआ, जो पैसों से असदुद्दीन ओवैसी को खरीद सके। उनका आरोप बेबुनियाद है और वह बेचैन हैं।

सुप्रीम कोर्ट करेगा फैसला दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहेंगे किसान या नही

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफकिसानों के प्रदर्शन का आज 22वां दिन होने आया है लेकिन कोई रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है, न सरकार कानून वापस लेने के जरा भी संकेत दे रही है न किसान धरना छोड़ने के।

बता दें कि, कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली बॉर्डर पर हो रहे किसानों के आंदोलन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, कानून के छात्र ऋषभ शर्मा ने ये याचिका दायर की है। इस याचिका में दिल्ली बॉर्डर से किसानों को हटाने की मांग है, साथ ही कहा गया है कि, लोगों के इकट्ठा होने से कोरोना के संक्रमण का खतरा बढ़ेगा, याचिका में आगे कहा गया कि, लोगों को हटाना आवश्यक है, क्योंकि इससे सड़कें ब्लॉक हो रही हैं व इमरजेंसी और मेडिकल सर्विस भी बाधित हो रही है। प्रदर्शनकारियों को सरकार द्वारा तय स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और मास्क का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में किसान आंदोलन से जुड़ी अब तक तीन याचिकाएं दाखिल की गई हैं। चीफ जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम की बेंच सुनवाई करेगी।

633 जिलों में टीकाकरण, 23 महकमों को दी जिम्मेदारी

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि, देश के सभी 633 जिलों में कोरोना टीकाकरण की तैयारियां की जा चुकी हैं, टीकाकरण के लिए बनीं टास्क फोर्स इन जिलों में बैठकें कर चुकी हैं। टीकाकरण के कार्य में केंद्र और राज्यों के 23 मंत्रालय-विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने प्रेस कांफ्रेंस मे जानकारी दी। उन्होंने कहा कि, टीकाकरण के लिए माड्यूल तैयार किए गए हैं और प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है, इसमें टीका लगाने वाले को प्रशिक्षण, कोल्ड चेन के रखरखाव का प्रशिक्षण और आशा कार्यकर्ताओं को निगरानी के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, सभी टीकाकरण केंद्रों को अस्पतालों से संबद्ध किया गया है ताकि टीका लगाने के बाद किसी भी संभावित दुष्प्रभाव की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सहायता मिल सके।

दुष्परिणाम की आशंका

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि, टीका लगाने के बाद कुछ लोगों को तीन किस्म के दुष्प्रभाव हो सकते हैं जिसमें गंभीर दुष्प्रभावों के मामले में अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ सकती है, जबकि हल्के एवं मध्यम दुष्प्रभावों का उपचार केंद्र में ही कर दिया जाएगा। प्रत्येक केंद्र को किसी अस्पताल से संबद्ध किया गया है।

तीन कंपनियों का टीकों पर विचारः

तीन कंपनियों ने कोरोना के टीकों के आपात इस्तेमाल की मंजूरी मांगी है। ड्रग कंट्रोलर की एक्सपर्ट कमेटी ने इन कंपनियों से अतिरिक्त आंकड़ों की मांग की है। जैसे ही वे आंकड़े उपलब्ध कराएंगे, नियामक उनका विश्लेषण कर निर्णय करेगा।

पुलवामा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, एक आतंकी गिरफ्तार, हथियार बरामद

जम्मू एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक पकड़े गए आतंकी के पास से एक एके-47 भी बरामद हुई है, उससे पूछताछ की जा रही है।

उधर, पाकिस्तान को भारतीय सेना ने करारा सबक सिखाया है। नौशेरा सेक्टर के सामने एलओसी पर पाकिस्तानी सेना ने संघर्षविराम का उल्लंघन किया था। पाकिस्तान की इस नापाक हरकत का जवाब देते हुए भारतीय सेना ने दो सैनिकों को मार गिराया है।

इससे पहले पाकिस्तान ने रविवार रात भी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। इस दौरान हीरानगर सेक्टर के पानसर इलाके में करीब छह घंटे तक गोलाबारी कर सुरक्षा बांध बनाने के काम को प्रभावित करने का प्रयास किया।

जानकारी के अनुसार रात करीब 10 बजे जैसे ही सुरक्षा बांध बनाने का कार्य शुरू हुआ तो पाकिस्तान की 25 चिनाब के सैनिकों ने ठाकर पुरा पोस्ट से गोलीबारी शुरू कर दी, जो तड़के चार बजे तक जारी रही। इस दौरान छोटे-बड़े दोनों हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

वहीं, सातवें चरण के मतदान के तहत ब्लॉक आरएस पुरा व सुचेतगढ़ में होने वाले मतदान को लेकर प्रशासन की तरफसे तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। किसी भी अप्रिय घटना को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध कर दिए गए हैं। मतदाताओं से भी अपील की गई है कि, वह वोट डालने के लिए घर से जरूर निकलें।

विजय दिवस 2020 : वॉर मेमोरियल पहुंचकर पीएम मोदी ने प्रज्जवलित की स्वर्णिम विजय मशाल, शहीदों को किया नमन

नई दिल्ली एजेंसी। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत के विजय की 50वीं वर्षगांठ के आयोजन की शुरुआत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नेशनल वार मेमोरियल पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 50 वीं वर्षगांठ पर नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 50 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर 'स्वर्णिम विजय मशाल' को प्रज्जवलित किया। इस मौके पर चार विजय मशाल प्रज्जवलित किए गए। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस बिपिन रावत के साथ अलावा तीनों सेनाओं के प्रमुख उनके साथ मौजूद रहे।

नेशनल वॉर मेमोरियल की अनन्त ज्योति से प्रज्ज्वलित चार 'विजय मशाल' 1971 युद्ध के परमवीर चक्र और महावीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के गांवों सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ले जाई जाएगी।

आंध्र सरकार ने 10 लाख किसानों को दी 12 करोड़ रुपए की मदद

अमरावती एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य के तकरीबन 10 लाख किसानों को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की मदद की है। राज्य सरकार ने 2019 सत्र से संबंधित बीमा के तहत 9 लाख 48 हजार किसानों को 12 करोड़ 52 लाख रुपए की राशि दी है। डॉ. वाइएसआर मुफ्त फसल बीमा योजना के तहत इन किसीनों को यह राशि दी गई है। इस योजना में पंजीकृत इन 9 लाख 48 हजार लाभार्थियों की सूची को रायतू भरोसा केंद्रों में लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री वाइएस जगनमोहन रेड्डी ने कहा, 'हम हमेशा एक किसान समर्थक राज्य रहे हैं। हमने जो योजनाएं लागू की हैं, उनसे हमने पिछले 18 महीनों से किसानों को लाभान्वित किया है और इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण दिया है कि, सरकार अपने किसानों की देखभाल कैसे कर रही है।' उन्होंने कहा, 'हमने जनवरी और फरवरी में फसल कटाई पूरी होने के तुरंत बाद मार्च और अप्रैल के महीने में 2020 खरीफ फसल बीमा के तहत किसानों को भुगतान करने का भी फैसला किया है।'

सुभाषचंद्र बोस की किताबों को फिर छापने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली एजेंसी। सरकार नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती वर्ष में उनकी किताबों को फिर से छापने तथा छात्रों के लिए फेलोशिप शुरू करने पर विचार कर रही है। जयंती वर्ष के आयोजन की शुरुआत 23 जनवरी से होगी। इसके साथ ही आइएनए के योद्धाओं को गणतंत्र दिवस परेड की अगुआई करने के लिए भी आमंत्रित करने पर विचार किया जा रहा है।

संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक ये प्रस्ताव संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल की अध्यक्षता में आयोजन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में आए। बैठक में बोस परिवार के सदस्य, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आइएनए ट्रस्ट, शिक्षाविदों, इतिहासकारों तथा नेताजी से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। पटेल ने बैठक में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बोस परिवार तथा आइएनए के सदस्यों के पास बड़ी मात्रा में ऐतिहासिक दस्तावेज, क्लिपिंग, फोटो, वीडियो तथा स्मरणीय अन्य सामग्रियां हैं, जिन्हें प्रदर्शन के लिए एक जगह लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोलकाता में बोस पर एक म्यूजियम बनाने का भी प्रस्ताव है।

तोमर-सिंधिया ने कृषि कानून के फायदे गिनाए, किसानों को गुमराह करने का लगाया विपक्ष पर आरोप

ग्वालियर, एजेंसी।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने एक बार फिर केंद्र सरकार के तीनों कृषि कानूनों को किसान हितैषी बताते हुए कहा है कि, कृषि क्षेत्र में सुधार की जो प्रक्रिया शुरू हुई है, वह किसान के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली है। भाजपा द्वारा ग्वालियर में आयोजित किसान सम्मेलन में हिस्सा लेने केंद्रीय मंत्री तोमर और भाजपा के राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया पहुंचे। इस मौके पर तोमर ने कहा कि, मैं किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो कृषि सुधार की प्रक्रिया शुरू हुई है, यह किसान के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी।

तोमर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि, देशभर के किसान कानूनों का समर्थन कर रहे हैं, मुझसे भी आकर मिल रहे हैं, मगर पंजाब में कुछ विरोध दिखाई देता है। उसके अनेक कारण हैं। पंजाब के भी किसान यूनियन से हमारी बात चल रही है और जल्दी समाधान निकलेगा, ऐसी पूरी आशा है। किसानों के साथ हुई कई दौर की बातचीत और सरकार की ओर से संशोधन का प्रस्ताव दिए जाने के सवाल पर तोमर ने कहा, किसान संशोधन के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जैसे ही उनकी प्रतिक्रिया आएगी, हमलोग दोबारा बात करेंगे।

उन्होंने कृषि कानूनों को किसानों की समस्याओं का समाधान करने वाला करार देते हुए कहा कि, जो नए कृषि कानून आए हैं वह किसान की हर समस्या का समाधान हैं। जहां तक आंदोलन का प्रश्न है किसान यूनियन के साथ सरकार वार्ता में है, जल्दी समाधान निकलेगा। मगर विपक्षी दल पूरे देश में किसानों को गुमराह करने का असफल प्रयास कर रहे हैं, जिसमें वे सफल नहीं होंगे। वहीं भाजपा की ओर से जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है।

किसानों को मनाने आए तोमर-सिंधिया

ग्वालियर में आयोजित किसान सम्मेलन को केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संबोधित किया। ग्वालियर के फूलबाग में हुए किसान सम्मेलन के दौरान केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंच से कहा कि, किसान भारत सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं, मैं दावे से कह रहा हूं कि ये तीन कृषि कानून भविष्य में किसानों की जिंदगी में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। नए कृषि कानून लागू होने के बाद छोटे-छोटे किसान एकीकृत तरीके से खेती कर ज्यादा और अच्छी फसल ले पाएंगे, फसलों को अपनी मर्जी से अपने दामों पर बेच सकेंगे।

राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसानों को कृषि कानून के फायदे गिनाने के साथ ही कांग्रेस पर भी जमकर हमला बोला। सिंधिया ने कहा कि, किसान अन्नदाता होता है, खाद-पानी के साथ-साथ अपने पसीने से फसल को सींचता है। पीएम नरेन्द्र मोदी किसानों के साथ हैं और उन्होंने किसानों को साथ लेकर आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया है जिससे विपक्ष डरा हुआ है और इसलिए किसान भाइयों को गुमराह कर रहा है।

मुश्किलों में फंसी हैः एयर इंडिया क्या टाटा के हाथों में दोबारा लौटेगी कमान

नई दिल्ली एजेंसी। घाटे में चल रही सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के विनिवेश की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए निविदा की प्रक्रिया औपचारिक रूप से समाप्त हो गई है। इसमें टाटा संस, विमानन कंपनी के कर्मचारियों के कंसोर्टियम और अमेरिकी निवेश कंपनी इंटरप्स इंक आदि ने रुचि दिखाई है। दिलचस्प बात यह है कि, एयर इंडिया की स्थापना वर्ष 1932 में जेआरडी टाटा ने की थी, जो टाटा समूह के चेयरमैन भी रहे। एयर इंडिया शुरुआत में टाटा एयरलाइंस थी। दरअसल, जेआरडी टाटा के उड्डयन के जुनून के कारण ही एयर इंडिया की स्थापना हुई थी और आज टाटा समूह उसे फिर हासिल करने की दौड़ में शामिल है।

विनिवेश का दूसरा प्रयास

सरकार की तरफसे शुरू किए गए एयर इंडिया के विनिवेश का यह दूसरा प्रयास है। कर्ज में दबी विमानन कंपनी के लिए पहली बार निविदा प्रक्रिया वर्ष 2018 में शुरू हुई थी, जिसमें सरकार को निराशा हाथ लगी थी। इस दौरान सरकार ने अपनी 76 फीसद हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया था, जिसमें कर्ज भी शामिल था। इस बार सरकार ने एयर इंडिया लिमिटेड की अपनी 100 फीसद हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस की 100 प्रतिशत व एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विस की 50 फीसद हिस्सेदारी शामिल है। सरकार ने वर्ष 2020-21 तक 2.1 लाख करोड़ रुपये के विनिवेश का फैसला किया है, हालांकि अब तक सिर्फपांच फीसद लक्ष्य हासिल हो पाया है।

कांग्रेस नेता आए बचाव में कहा- 2023 का चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ेगी कांग्रेस

कमल नाथ ने जताई संन्यास की इच्छा वीडी बोले- दिग्विजय सिंह को भी ले जाएं

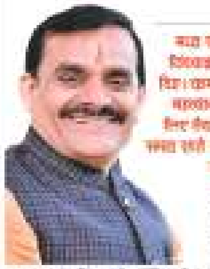

भाजपा का तंज- उन्हें भी साथ ले जाएं

कमल नाथ आप अरबपति हैं 10 हजार की कीमत क्या जानें!

कृषि बिल पर सवाल

बड़े नहीं छोटे दलों से होगा सपा का गठबंधन

सीएम और बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने दी हरी झंडी

सरताज सिंह की घर वापसी कांग्रेस से मोह भंग

किसान आंदोलन के समर्थन में आप का उपवास

कांग्रेस के आएंगे अच्छे दिन, प्रदेश अध्यक्षों के चयन के लिए नए फॉर्मूले पर चल रहा है काम

कांग्रेस के समर्थन से बना बीजेपी का डूंगरपुर जिला प्रमुख

जिला कांग्रेस ने भारत रत्न स्व. पटेल की मनाई पुणयतिथि

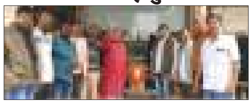

माही की गूंज, अलीराजपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान मे मंगलवार को देष के पहले उपप्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुणयतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। नेताओ ने श्रद्धासुमन अर्पित कर स्व. पटेल के सपनो को साकार करने एवं राष्ट्रीय एकता का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेष पटेल, पुर्व जिलाध्यक्ष राधेष्याम माहेश्वरी, कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाष राठौर सहित कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत एकीकरण के योगदान के लिए उन्हे लौहपुरुष कहा गया

आयोजित पुष्पांजली सभा मे जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि, स्व. पटेल के देशहित मे दिए गए योगदान को देशवासी कभी भुल नही सकते। भारत के एकीकरण में उनके योगदान के लिए उन्हे भारत का लौहपुरुष कहा गया, स्वाधीनता आंदोलन में उनके त्याग और संघर्ष, राष्ट्र के एकीकरण और अखंडता के लिए उनके दृढ़ संकल्प को देशवासी आज भी सम्मान के साथ कृतज्ञतापूर्वक याद करते है।

पुर्व जिलाध्यक्ष माहेश्वरी, कार्यवाहक अध्यक्ष श्री राठौर ने कहा कि, उन्होने स्वाधीनता संग्राम के दौरान अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफकिसान हित मे आंदोलन कर आवाज बुलंद की थी। इस आंदोलन के बाद स्व. पटेल को सरदार की उपाधी मिली और उनका नाम इतिहास में अमर हो गया। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता अनिल थेपडिया, राजेंद्र टवली, सुरेष परिहार, प्रकाष मराठा, संजय माहेश्वरी, ईरफान मंसुरी, पिंटु सेन, ईकबाल मदनी, अनुप सोमानी, अंकित माहेश्वरी आदि मोजुद थे।

सूरत से मोहकमपुरा लौट रही थी बारात तभी घोड़ादरा तालाब के पास हुई लूट

एक लूटेरा चढ़ा लोगों के हत्थे, किया पुलिस के हवाले

माही की गूंज, कुशलगढ़। नितिन झाकरोद

कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के रतलाम रोड़ स्थित कोठारिया गांव में घोड़ादरा तालाब के समीप सोमवार देर रात गुजरात के सूरत से विवाह के बाद लौट रहे बरातियों कि बस रोककर बदमाशों ने लूट को अन्जाम दिया।

इसमें कुछ बरातियों के जेवर व नगदी लूट लिए। बदमाशों ने बस में सवार बरातियों से मारपीट की जिसमें एक बाराती व चालक तथा खलासी घायल हो गए। इस दौरान बरातियों ने एक बदमाश को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया, जिससे पूछताछ के बाद आठ नामजद बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार मोहकमपुरा निवासी गोपाल पुत्र दला ने रिपोर्ट दी कि, उसके भतीजे दीपक पुत्र लक्ष्मण की बारात गुजरात के सूरत के समीप उमरापाड़ा गांव गई थी। विवाह के उपरांत सोमवार को वे मोहकमपुरा लौट रहे थे कि, सोमवार-मंगलवार रात्रि करीब 2 बजे घोड़ादरा तालाब के समीप बदमाशों ने बीच सड़क पर मोटर साइकिले खड़ी कर व पत्थर डालकर बस को रोका और हथियारों के साथ बस के भीतर घुस गए।

बदमाशों ने बारातियों को धमकाते हुए उनके गहने व नगदी निकालने को कहते हुए मारपीट शुरू कर दी, लुटेरों ने बाराती मोहकमपुरा निवासी रमेश पिता भागचंद भाभोर पर चाकू से वार किया जिससे उसके दोनों हाथ में चोट आई। रमेश के मुंह पर भी वार किया जिससे वह लहूलुहान हो गया, बदमाशों ने उमरझोका निवासी बस चालक मोहन पिता ईश्वर और क्लीनर के साथ भी मारपीट की।

इनके साथ हुई लूट

लुटेरो ने बाराती मध्य प्रदेश के खवासा निवासी रामुड़ी पति अमर सिंह डामोर, और उमरझोका निवासी नाहटी पति मोहन मईड़ा के गले में पहनी 500-500 ग्राम की चांदी की साकली, मोहकमपुरा निवासी दशरथ पिता कचरू भाभोर के हाथ में पहनी हुई चांदी की पोची तथा निशनावट निवासी मूलचंद देवदा की पत्नि के हाथों में पहनी सोने व चांदी की अंगूठी लुट ली। इस दौरान बारातियो का शोर सुनकर गांव के ही सूरज पिता अर्जुन डिडोर और अन्य ग्रामीण बचाव करने आए, जिस पर बदमाश भाग गए। इसी दौरान एक बदमाश बस में ही रह गया जिसे लोगों ने पकड़ लिया, बाद में चालक ने सजगता दिखाते हुए बस को सीधे पाटन थाने ले जाकर खड़ी कर दी और पकडे गए बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया।

पाटन पुलिस ने घटना कुशलगढ थाने की सीमा पर होने से रात को ही कुशलगढ़ पुलिस को बुलाकर पकड़े गए आरोपी को उनके हवाले कर दिया। थानाधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि, आरोपी से पुछताछ के बाद मामले में कोठारिया निवासी परमेश पिता मडसिया, पप्पू पिता कचरू, भारत पिता रामु ,पंकज पिता दोलसिंग, श्यामलाल पिता दोलसिग, रामलाल पिता दोलसिग, अंकुर पिता धुलसिग, कटटु पिता रामचन्द्र को नामजद लुट का मामला दर्ज किया है।

बदमाशो की मारपीट से घायल बाराती रमेश का।

कैसे सुधरे शिक्षा का स्तर 10 वर्षो से प्रदेश में नहीं हुई शिक्षको की भर्ती

शिक्षक भर्ती में चयनित छात्र-छात्राएं अपनी मांगो को लेकर पहुंचे भोपाल

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश के स्कूली शिक्षा विभाग में शिक्षकों की भर्ती को लेकर 8 वर्षो के लम्बे अंतराल के बाद वर्ष 2018 में पात्रता परीक्षा हुई थी जिसमे चयनित छात्र-छात्राओं अब तक नोकरी नही मिल सकी है। परीक्षा हुए लगभग दो वर्ष बीत गए तो परिणाम आए भी एक वर्ष बीत गया है कुल मिलाकर 10 साल बाद भी सरकार शिक्षकों की भर्ती करने में नाकाम रही है। एक और सरकार शिक्षा का स्तर उठाने की बात करती है तो दूसरी ओर शिक्षकों की कमी से जूझ रहे शिक्षा विभाग में दो वर्षों में भी चयनित शिक्षकों को भर्ती नही किया जा सका है, अब चयनित छात्र हर मंच पर सरकार के सामने भर्ती प्रक्रिया को निपटाने की मांग को लेकर लामबंद हो रहे है।

भारी ठंड के बीच अपनी मांग को लेकर भोपाल में ज्ञापन देते चयनित छात्र-छात्राएं।

इसी कड़ी में झाबुआ जिले के चयनित छात्र-छात्राएं सोमवार को भारी ठंड के बीच भोपाल लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त जयश्री कियावत से मिलकर संवेदनशील पत्र भीगी आखों से कांपते हाथों से लिखा व अश्रुपूरित निवेदन करते हुए ज्ञापन सौंपते हुए 2018 की शिक्षक भर्ती के कब तक स्पष्ट होगी ये बताने और भर्ती प्रक्रिया निपटाने की मांग रखी। उत्तरीण अभ्यर्थी मुकेश गुंडिया, विक्की गामड़ ने बताया कि, परीक्षा का परिणाम आए एक वर्ष हो गया है लेकिन सरकार के संवेदनहीन रवैये के चलते प्रदेश के लाखों उच्च शिक्षित, बीएड प्रशिक्षित बेरोजगारो के भूखे मरने की नोबत आ गई है, सरकार बिना किसी कारण से शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के अंतिम चरण को नही निपटा रही है जिससे चयनित छात्रों और उनके परिवारों में घोर निराशा है। अब भोपाल पहुंच कर छात्रों ने विभाग आयुक्त भोपाल के सामने अपनी मांगे फिर से रखी है।

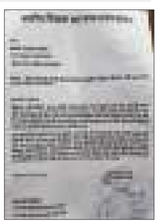

विभाग आयुक्त को दी गई ज्ञापन की प्रति।

जेडएच फाउण्डेशन व आवाज ग्रुप के तत्वाधान में आयुष्मान कैम्प का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर। केन्द्र एवं प्रदेश शासन की योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंचाने के लिए जेडएच फाउंडेशन व.आवाज ग्रुप शासकिय विभागों के साथ-साथ अब कई एनजीओ भी अपनी भूमिका निभाते हुए आगे बढ़ रहे है, जिसके चलते आलीराजपुर जिले के जोबट में जेडएच फाउण्डेशन् व आवाज ग्रुप के द्वारा आयुष्मान कार्ड, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए एक दिवसीय कैम्प का आयोजन जोबट के स्थानीय मुस्लिम जमातखाने में जेडएच फाउंडेशन के फाउंडर हजरत सैय्यद अमीरूल हसन ओर आवाज ग्रुप के फाउंडर मुजीब कुरैशी एडवोकेट कुक्षी की निगरानी में किया गया, जिसमें 154 आयुष्मान कार्ड बनाए गए है। वहीं छात्रवृत्ति के 51 आवेदन किए गए।

चार वर्ष बाद भी अधूरा पड़ा रोड, वर्ष 2017 में बने रोड में भ्रष्टाचार का एक और मामला

ग्रामीणों ने की जिला कलेक्टर से शिकायत, लगाए ग्राम पंचायत पर भ्रष्टाचार के आरोप

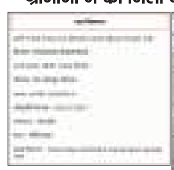

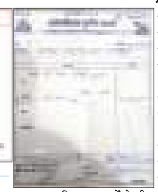

माही की गूंज, पेटलावद।

जैसे-जैसे पंचायत स्तर का चुनावी दंगल करीब आता जा रहा है ग्राम पंचायत स्तर पर अब ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार सामने आ रहे है, पुराने कार्यकाल में ग्राम पंचायत द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को लेकर आमजन के स्वर अब मुखर होने लगे है। एक के बाद एक विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में पुराने और नए कार्यो में लापरवाही उजागर हो रही है।

ताजा मामला ग्राम पंचायत गोदड़िया का है जहां ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन सोंपते हुए ग्राम पंचायत पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए है, अन्य पंचायतों की तरह गोदड़िया पंचयात में भी वर्ष 2017 में बने रोड निर्माण में लापरवाही का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत के गोविंदपाड़ा गांव मे पंच परमेश्वर योजना के अंतर्गत 9 लाख 60 हजार की लागत से बनने वाले सीसी रोड का कार्य लगभग चार वर्ष के बाद भी अधूरा पड़ा है। खाल फलिया से मेन रोड तक बनने वाला रोड आधे निर्माण के साथ ही समाप्त हो गया, गोविंदपाड़ा के परेशान ग्रामीण विगत चार वर्षो से कीचड़ की समस्या से जूझ रहे है और रोड के कार्य के पूरा होने का इंतजार कर रहे है, लेकिन पंचयात ने इसकी कोई सूद अभी तक नही ली। रोड पर पंचयात ने कितनी राशि खर्च की और किस-किस को भुगतन किया गया इसकी भी पूर्ण जानकारी नही दी है, जो बिल पोर्टल पर दर्शाए गए है उनमें मटेरियल की सही मात्रा और दर का उल्लेख भी नही है। सांवरिया कृषि फार्म, करवड़ के नाम से 96 हजार रूपए की गिट्टी सप्लाई के भुगतान किए गए बिल में गिट्टी की मात्रा और भाव का उल्लेख नही किया गया और उस पर सफेदा से काट-पीट की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि, ग्राम पंचायत ने मार्ग की पूरी राशि आहरण कर ली और कार्य को अधूरा छोड़ दिया।

ग्राम पंचायत गोदड़िया के सचिव गुलशन मुनिया का कहना है कि, विवाद के कारण रोड को छोड़ दिया गया और दूसरी और बड़ा दिया गया है बाकी बचे रोड नई कार्य योजना में ले लिया है और जल्द बाकी बचे रोड का निर्माण किया जाएगा । अब ग्रामीण की शिकायत पर जांच के बाद ही मामला साफहो पाएगा।

सारंगी के युवक की हत्या का चित्तौड़गढ़ पुलिस ने किया खुलासा, हत्या का आरोपी रिश्तेदार पुलिस की गिरफ्त में

पैसे की लेन-देन और पत्नी से अवैध संबंध बनाने की मांग बनी बबलू की मौत का कारण

माही की गूंज, पेटलावद/सारंगी।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ शहर में पदमिनी होटल के सामने खाली जमीन पर युवक की हत्या करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने मृतक के रिश्तेदार युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस पुछताछ में आरोपी रिष्तेदार ने बताया कि, पैसों के बदले पत्नी से अवैध संबंध बनाने के प्रस्ताव से नाराज होकर बबलू की हत्या की थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने बताया कि, पदमिनी होटल के सामने एक खाली भूखण्ड पर युवक का शव पड़ा होने की सूचना कोतवाली पुलिस को रविवार को मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां एक युवक का शव पड़ा हुआ था, जिसके सिर पर चोट के निशान थे और आसपास खून बिखरा हुआ था, वहां एक मोबाइल चार्जर भी पड़ा हुआ था, बाद में नई आबादी पुठोली निवासी बृजमोहन उर्फगुड्डू पिता हरिसिंह ने शव की शिनाख्त अपने मौसेरे भाई मध्यप्रदेश के सारंगी (झाबुआ) निवासी गोपाल सिंह उर्फबबलू पिता नंदूसिंह परिहार (30) के रूप में की।

ठेकेदार के अंडर सीमेंट फेक्ट्री में कार्य करता था गोपाल

मृतक के रिश्तेदार बृजमोहन ने पुलिस को बताया कि, गोपाल सिंह उसकी मौसी का बेटा है और काफी समय से वह उसके घर पर ही रहकर एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता था। शनिवार 12 दिसम्बर को सुबह करीब ग्यारह बजे गोपाल के मोबाइल पर किसी का फोन आया और वह कपड़े पहनकर घर से निकल गया। शाम छह बजे बृजमोहन ने उसे फोन कर खाना खाने के लिए घर आने को कहा था, इसके बाद गोपालसिंह की परिजनों से बात नहीं हुई। रात को उसके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया तो मोबाइल बंद आ रहा था। गोपाल का शव मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर खोजबिन शुरू की तो, पता चला कि, रतलाम निवासी और हाल मुकाम पंचवटी में रह रहा दीपक उर्फकालू पिता राजेन्द्र सिंह चौहान, जो कि एल्युमिनियम फेब्रिकेशन का काम करता है, इसके साथ ही शनिवार को बबलु उर्फगोपालसिंह को अंतिम बार देखा गया था। दीपक घटना के बाद से ही फरार था, जिसकी तलाश के लिए एक टीम उप निरीक्षक संग्रामसिंह के नेतृत्व में रतलाम रवाना की गई। जिला तकनीकी टीम एवं विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त सूचना के आधार पर दीपक उर्फ कालू चौहान को रतलाम से पकड़ने में सफलता प्राप्त कर ली, पुलिस द्वारा दीपक से सख्ती से पूछताछ करने पर दीपक ने गोपाल सिंह की हत्या करना स्वीकार कर लिया।

बकाया पैसे नही देने पर पत्नी के साथ संबंध बनाने की मांग को सुनकर बौखलाए दीपक ने हत्या को दिया अंजाम

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि, गोपाल सिंह व दीपक आपस में दूर के रिश्तेदार होने के साथ ही दोस्त भी है, कभी-कभार दोनों साथ बैठकर शराब भी पीते थे। गोपालसिंह दीपक से साढे सात हजार रूपए मांगता था, 12 दिसंबर को भी दोनों पूरे दिन साथ थे और दोनों ने शराब भी पी थी। इसी दिन शाम को दोनों पदमिनी होटल के सामने खाली जमीन पर गए और वहां बैठकर शराब पीने लगे, इसी दौरान गोपालसिंह ने दीपक से पैसों के लिए तकाजा किया तो दीपक ने कहा कि, उसके पास पैसे नहीं है। इस पर गोपाल सिंह ने दीपक से कहा कि, यदि वह पैसे नहीं दे सकता तो पांच-सात बार अपनी पत्नी को उसके यहां भेज दें, यह बात सुनते ही दीपक को गुस्सा आ गया और वह लघुशंका करने के बहाने एक तरफ गया और वहां अपने गमछे में छोटे-छोटे पत्थर बांधकर चुपके से गोपाल सिंह के पीछे आकर सिर पर तीन-चार वार कर दिए, जिससे गोपाल सिंह उर्फ बबलू वहीं पर गिर गया, इसके बाद उसने गोपाल सिंह का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद दीपक अपनी पत्नी को लेकर रतलाम की तरफभाग गया।

हमला होता रहा और किसी को पता भी नहीं चला

सबसे बड़ा सवाल इस मर्डर के बाद यह सामने आ रहा है कि, बबलू पर हमला होता रहा और आसपास किसी को भी पता ही नहीं चला, जबकि जिस जगह बबलू का शव मिला, वह जगह चहल-पहल वाली जगह थी, न तो किसी को चिल्लाने की आवाज सुनाई दी और न ही किसी अन्य प्रकार की हलचल पता चली। फिलहाल पुलिस के खुलासे में हत्या में एक ही व्यक्ति के होने का खुलासा हुआ है।

बीच नगर में छत पर लग रहे टावर, वार्ड वासियों ने दर्ज कराई आपत्ति

पहले से छतों पर लगे टावर बने हुए परेशानी का सबब

माही की गूंज, पेटलावद।

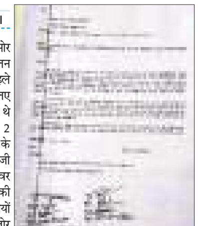

नगर में मुख्य मार्ग ओर नगर में बिना नियमो के पालन के लगे मोबाइल टावर पहले से नगरवासियों के लिए परेशानी का सबब बने हुए थे कि, नगर के वार्ड क्रमांक 2 महाकाल पंथ जो कि नगर के बीचों बीच है, एक निजी निवास पर एक ओर टावर लगने की तैयारी है जिसकी जानकारी वार्ड के रहवासियों को लगी तो इसका पुरजोर विरोध करते हुए टावर से होने वाले रेडियेशन और खतरे को देखते हुए आपत्ति दर्ज कराते हुए नगर परिषद में लिखित आपत्ति में टावर नही लगाने की मांग की। वार्ड वासियो द्वारा आवेदन में टावर के रेडिएशन से बुजुर्ग ओर आने वाली पीढ़ी को होने वाले खतरे के बारे में भी बताया और टावर के कार्य को रोकने की मांग की है।

टावर के भार के सहने के लायक नही है मकान

नियमो के अनुसार जिन मकानों पर मोबाइल टावर लगते है वो नींव से निर्माण के दौरान उसी के अनुरूप तैयार किए जाते ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना नही हो, लेकिन जो मकान बिना टावर के लिए निर्धारित नियमों को धयान में रख कर नही बनाए जाते उन पर टावर लगना कही न कही भविष्य किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण हो सकता हे। आवेदन में भी आवेदनकर्ताओं ने मकान को टावर के भार सहने लायक नही होना बताया है।

सेटिंग से मिल जाती है अनुमति

इस प्रकार के टॉवर लगाने की शासन की जटिल प्रक्रिया को ताक में रख कर जिम्मेदार चंद रुपयों की लालच में एनओसी जारी कर आम जनता की जान से खिलवाड़ करने से नही चूकते है ओर नियमो को ताक में रख कर अनुमति दे देते है। वार्ड के आपत्तिकर्ताओं द्वारा आवेदन की प्रति जिला कलेक्टर और अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को भी प्रेषित कर टॉवर पर आपत्ति दर्ज कराई है।

संपादकीय

क्योंकि ये मुद्दा नहीं है

देश में बेरोजगारी का हाल कितना बुरा है, इसे बताने के लिए अब शायद उदाहरणों की भी जरूरत नहीं है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि ये सूरत देश में सियासी मुद्दा नहीं है। मीडिया और राजनीतिक चर्चा में इसकी आज कोई अहमियत नहीं है। जबकि आम लोगों की जिंदगी बेहाल होती जा रही है। पिछले हफ्ते इस सूरत पर रोशनी डालने वाला मामला फिर सामने आया, जब रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में नई भर्ती हुई। महिला कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड में 248 प्रशिक्षुओं में ज्यादातर ऐसी थीं, जिनके पास एमबीए, एमसीए, बीटेक, एमटेक और अन्य तकनीकी डिग्रियां हैं। गौरतलब है कि इस पद के लिए सिर्फ बारहवीं तक की डिग्री की जरूरत होती है। ये सभी प्रशिक्षु राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, यूपी, पश्चिमी बंगाल, हरियाणा और छतीसगढ़ राज्यों से हैं। उनसे जो बातचीत मीडिया के एक हिस्से में छपी, वह मार्मिक है। मसलन एक प्रशिक्षु ने कहा- ष्नौकरी की जरूरत थी।

भर्ती का आवेदन निकला, तो हमने भी अप्लाई कर दिया और तैयारी भी की। यह मेरी मंजिल नहीं है।ष् इस प्रक्रिया के एक जानकार ने उचित ही इस बात पर रोशनी डाली कि उच्च शिक्षित लोगों का इन परीक्षाओं के लिए आवेदन करने का नतीजा यह होता है कि इससे अन्य अभ्यर्थियों का नुकसान होता है। बहुत पढ़े-लिखे लोग लिखित परीक्षा आसानी से पास कर लेते हैं, जबकि केवल इंटर तक पढ़े लोगों के पास कांस्टेबल जैसी नौकरियों का ही विकल्प होता है। एमबीए-एमसीए और बीटेक-एमटेक लोगों को तो और भी बहुत सी नौकरियां मिल सकती हैं। इससे पहले यूपी में सचिवालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और जिलों में सफाई कर्मचारियों के लिए नौकरी विज्ञापित हुई थी, तब भी हजारों की संख्या में उच्च शिक्षित लोगों ने आवेदन किया था। उनमें से बहुत से चयनित भी हुए। यह तो साफ है कि कोई इंजीनियर और एमबीए कांस्टेबल या सफाई कर्मचारी नहीं बनना चाहता है। लेकिन बेरोजगारी की मजबूरी में ही वह ऐसे विकल्प चुनता है। इंजीनियरिंग कॉलेज और मैनेजमेंट कॉलेजों में चार साल की पढ़ाई के दौरान बच्चे करीब आठ-दस लाख रुपये खर्च करते हैं, लेकिन बाहर निकलने पर उन्हें 15-20 हजार रुपये प्रति माह की नौकरी भी नहीं मिल पा रही है। इस हाल का क्या समाधान है? दुखद यह है कि ऐसे सवाल आज देश के सत्ताधारियों की नजर में अप्रसांगिक से हो गए हैं।

चाणक्य नीति

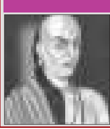

ऐसे लोगों से बचे जो आपके मुह पर तो मीठी बातें करते हैं, लेकिन आपके पीठ पीछे आपको बर्बाद करने की योजना बनाते है, ऐसा करने वाले तो उस विष के घड़े के समान है जिसकी उपरी सतह दूध से भरी है।

ससंद के भूमिपूजन से परेशान शैतान

आरके सिन्हा

एक बात समझ ली जानी चाहिए कि धर्मनिरपेक्षता का मतलब यह कदापि नहीं होता कि कोई देश अपनी धार्मिक परम्पराओं व सांस्कृतिक आस्था को छोड़ दे। यह असंभव-सी बात है। विगत दिनों देश के नए बनने वाले संसद भवन के शिलान्यास कार्यक्रम से पहले भूमिपूजन और सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। इससे कुछ सिरफिरे सेक्युलरवादियों के पेट में दर्द हो गया कि वहां सिर्फभूमिपूजन क्यों हुआ? उनके कहने का मतलब अन्य धर्मों की अनदेखी हुई। जब उन्हें प्रमाण दिए गए कि भूमिपूजन के साथ सर्वधर्म प्रार्थना सभा हुई तो भी वे चुप नहीं हुए। ये वे ही विक्षिप्त तत्व हैं, जिन्हें तब भी तकलीफ हुई थी जब फ्रांस ने भारत को राफेल फाइटर जेट विमानों की पहली खेप सौंपी थी। इन्हें तब भी तकलीफइसी कारण से थी कि वहां भी राफेल का पूजन हुआ था।

सेक्युलरवादियों और पाक के मंत्री में समानता

इत्तेफाक देखें कि जब राफेल को सौंपे जाने से पहले हुई पूजा पर हमारे कुछ कथित ज्ञानी निंदा रस का सुख ले रहे थे तब पाकिस्तान के साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्री फवाद चौधरी ने भी राफेल की पूजा का मजाक उड़ाया था। दशहरे पर फ्रांस ने भारत को पहला राफेल फाइटर जेट सौंपा था। पारंपरिक तौर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी पूजा की थी। भारत में दशहरे पर शस्त्र पूजा की प्राचीन और धार्मिक परंपरा है। फ्रांस में शस्त्र पूजा पर राजनाथ सिंह ने कहा था कि अलौकिक शक्ति में हमारा पूर्ण विश्वास है। हालांकि पूजा को गलत बताने वालों को कौन समझाए कि संसार में केवल दो चीजें ही अनंत हैं- ब्रह्मांड और विस्तार।

तमाम हल्की बातों को किनारे रख दें। अगर कोई भारतीय हमारी परंपरानुसार पूजा करता है तो किसी को भी उसकी आलोचना करने की क्या जरूरत है। रक्षामंत्री ने केवल भारतीय परंपराओं का निर्वहन किया था। अब बिना जाने-समझे यह कहा जाने लगा कि भूमिपूजन की क्या जरूरत थी? क्या शस्त्र पूजन और भूमिपूजन में मीन-मेख निकालने वालों को पता नहीं है कि भारत के संविधान की मूल प्रति में नटराज, अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए श्रीकृष्ण और स्वर्ग से देवनदी गंगा का धरती पर अवतरण की तस्वीरें भी हैं। यही नहीं, भारत के संविधान की मूल प्रति पर शांति का उपदेश देते भगवान बुद्ध भी हैं। हिन्दू धर्म के एक और अहम प्रतीक शतदल कमल भी संविधान की मूल प्रति पर हर जगह मौजूद हैं। पूरा मुखपृष्ठ ही कमल दल को संजोकर बनाया हुआ है।

सच में संविधान की मूल प्रति पर छपी राम, कृष्ण और नटराज की तस्वीरें यदि आज लगाई गई होती तो इस कदम को सांप्रदायिक कहकर उसका घोर विरोध शुरू हो गया होता। संविधान की मूल प्रति में मुगल बादशाह अकबर भी हैं और सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह भी वहां मौजूद हैं। मैसूर के सुल्तान टीपू और 1857 की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र भी संविधान की मूल प्रति पर उकेरे गए हैं। तो सबको समझ आ जाना चाहिए कि भारत का संविधान ही देश की समृद्ध संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं का पूरा सम्मान करता है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के शिलान्यास के बाद भूमिपूजन और सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी हुई।

गांधी और सर्वधर्म प्रार्थना सभा

अगर बात सर्वधर्म प्रार्थना सभा की करें तो इन्हें सबसे पहले आयोजित करने का श्रेय महात्मा गांधी को जाता है। वे जब राजधानी के वाल्मिकी मंदिर और फिर बिड़ला मंदिर में रहे तो सर्वधर्म प्रार्थना सभायें रोज होने लगी थीं। हालांकि, तब बहाई, यहूदी या पारसी धर्म की प्रार्थनाएं नहीं होती थीं। राजधानी में संसद भवन की नई बनने वाली इमारत के भूमिपूजन के बाद सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बौद्ध, यहूदी, पारसी, बहाई, सिख, ईसाई, जैन, मुस्लिम और हिन्दू धर्मों की प्रार्थनाएं की गईं। इसकी शुरुआत हुई थी बुद्ध प्रार्थना से। उसके बाद बाइबल का पाठ किया गया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में हरेक धर्म के प्रतिनिधि को 5 मिनट का वक्त मिलता है। बहाई धर्म की प्रार्थना को पढ़ा सुश्री नीलाकशी रजखोवा ने। उनके बाद यहूदी धर्म की प्रार्थना हुई। यहूदी प्रार्थना के बाद जैन धर्म की प्रार्थना और उसके पश्चात गुरुग्रंथ साहिब का पाठ हुआ और फिर कुरआन की आयतें पढ़ीं गईं। ये जरूरी नहीं है कि सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भाग लेने वाले अपने धर्म के धार्मिक स्थान से ही जुड़े होंगे। वे अपने धर्म के विद्वान भी हो सकते हैं। सबसे अंत में गीता पाठ किया गया। तो यह है भारत का धर्मनिरपेक्ष चरित्र।

अफसोस यह होता है कि भारत में कुछ लोगों को हिन्दू देवी-देवताओं का नाम लेने से भी तकलीफहोती है। जो लोग भूमिपूजन का विरोध कर रहे थे वे ही सुप्रीम कोर्ट के राममंदिर पर फैसला आने से नाखुश थे। प्रभाकर मिश्र ने अपनी महत्वपूर्ण किताब श्एक रुका हुआ फैसलाश् में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर लिखा है- ष्सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफइंडिया (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या एएसआई) की रिपोर्ट के मुताबिक जो ढांचा ढहाया गया था, उसके नीचे मंदिर मिलने के सबूत मिले थे। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एएसआई की रिपोर्ट को खारिज नहीं किया जा सकता।ष

पर देखिए कि कोर्ट के इतने अहम फैसले के बाद भी भारत के बहुत सारे सेक्युलरवादी और असदुद्दीन ओवैसी जैसे घोर सांप्रदायिक नेता यह कहते रहे कि कोर्ट का फैसला सही नहीं है। समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया जी कहते थे कि ष्भारत के तीन सबसे बड़े पौराणिक नाम- राम, कृष्ण और शिव हैं। उनके काम के बारे में थोड़ी-बहुत जानकारी प्रायरू सभी को, कम से कम दो में एक को तो होगी ही। उनके विचार व कर्म या उन्होंने कौन-से शब्द कब कहे, उसे विस्तारपूर्वक दस में एक तो जानता ही होगा। भारत में कितनी बार यहां की जनता राम का नाम लेती है। यह आंकड़ा तो अरबों में पहुंच जाएगा।ष

अब जरा सोचिए कि जिस देश के कण-कण में राम बसे हों, वहां राम नाम बोलने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीधे-सरल लोगों को जेल भेज रही थी। क्या कभी किसी ने सोचा था कि भारत में राम नाम बोलने पर भी जेल हो सकती है या धमकियां मिल सकती है? तो यह हालात बना दिए हैं देश के सेक्युलरवादियों ने। इसके विरोध में जब आमजन का विस्फोट होगा तब इनकी हालात क्या होगी, इन्हें जरा यह भी एक क्षण के लिये सोच लेना चाहिए।

डॉक्टरों की घबराहट ?

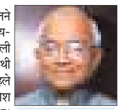

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

देश के डॉक्टरों ने हड़ताल कर दी है। किसान आंदोलन के बाद अब यह डॉक्टर आंदोलन शुरु हो गया है। इन दोनों आंदोलनों का आधार गलत-फहमी है। इस गलतफहमी का कारण किसान और डॉक्टर नहीं है। उसका कारण हमारी सरकार है। उसका अहंकार है। वह जो कुछ कर रही है, वह देश के भले के लिए कर रही है। लेकिन इसके पहले कि वह कोई क्रांतिकारी कदम उठाए, वह उससे प्रभावित होनेवाले लोगों से बात करना जरुरी नहीं समझती। जो उसे ठीक लगता है या अफसर जो चाबी घुमाते हैं, सरकार आनन-फानन उसकी घोषणा कर देती है। अब उसने घोषणा कर दी है कि आयुर्वेदिक अस्पतालों में भी शल्य-चिकित्सा होगी। यह ठीक है कि ऐसी दर्जनों छोटी-मोटी शल्य-क्रियाएं हमारे वैद्यगण सदियों से करते चले आए हैं। उन्हें अभी सिर्फ नाक, कान, आंख, गले आदि की ही सर्जरी की अनुमति दी गई है। मष्तिष्क और दिल आदि की नहीं लेकिन हमारे डॉक्टर इस पर बहुत खफा हो गए हैं।

उनकी हड़ताल का कारण मुझे समझ में नहीं आ रहा है। वे कह रहे हैं कि इस अनुमति से मरीजों की जान को खतरा हो जाएगा। उन्हें मरीजों की जान का खतरा है या उनका धंधा चौपट होने का खतरा है ? एलोपेथी की सर्जरी काफी सुरक्षित होती है लेकिन वह इतनी खर्चीली है कि देश का आम आदमी उसकी राशि सुनकर ही कांप उठता है। अब डॉक्टर इसलिए कांप रहे हैं कि यदि वही काम वैद्य करने लगेंगे तो उनका पाखंड खत्म हो जाएगा। देश के गरीब, ग्रामीण और पिछड़े लोगों को भी शल्य-चिकित्सा का लाभ मिलने लगेगा। आयुर्वेद में शल्य-चिकित्सा सदियों से चली आ रही है जबकि एलोपेथी को तो सवा सौ साल पहले तक मरीज को बेहोश करना भी नहीं आता था। डॉक्टरों को सबसे बड़ा धक्का इस बात से लगा है कि अब ये वैद्य उनके बराबर हो जाएंगे। पश्चिमी एलोपेथी और अंग्रेजी माध्यम की श्रेष्ठता ग्रंथि ने उन्हें जकड़ रखा है। इस दिमागी गुलामी से उबरने की बजाय वे इस नई पद्धति को 'मिलावटीपैथी' कह रहे हैं। मैं तो चाहता हूं कि भारत में इलाज की सभी पैथियों को मिलाकर, सबका लाभ उठाकर, डॉक्टरी का एक नया पाठ्यक्रम बनाया जाए, जिसका अनुकरण सारी दुनिया करेगी। लेकिन वैद्यों और हकीमों को शल्य-चिकित्सा का अधिकार देने के पहले सरकार को चाहिए कि वह उन्हें मेडिकल सर्जनों से भी अधिक कठोर प्रशिक्षण दे। हड़बड़ी में कोई फैसला न करे।

काम की बात

जो चीज आपको चेलेंज करती है, वही आपको चेंज करती है।

एक सलाह

घमंड से अपना सर ऊंचा न करें, जीतने वाले भी अपना गोल्ड मेडल, झुक कर हासिल करते है।

साइबर टेररिस्टः सावधानी व सजगता है बचाव का उपाय

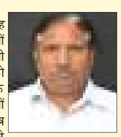

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अपराध की दुनिया में अब साइबर टेररिस्टों का प्रवेश हो गया है। इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के चलते साइबर बुलिंग द्वारा यह टेररिस्ट लोगों को आसानी से शिकार बना रहे हैं। देश में साइबर बुलिंग के मामलों में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली पुलिस के ही आंकड़े देखें तो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इस साल दस फीसदी की इसमें बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यह स्थिति केवल दर्ज मामलों की है। इनसे कई गुणा मामले ऐसे हैं जो किसी न किसी कारण पुलिस तक पहुंचते ही नहीं हैं। यह केवल दिल्ली की ही स्थिति नहीं अपितु समूचे देश की है। कोरोना के चलते इंटरनेट का उपयोग बढ़ने के साथ ही साइबर टेररिस्टों का आंतक और बढ़ने लगा है। खासतौर से सोशल मीडिया माध्यमों पर साइबर टेररिस्ट अधिक सक्रिय हैं। ई-मेल, फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर पर साइबर टेररिस्ट अति सक्रिय हैं। बच्चे ऐसे तत्वों के सॉफ्ट टारगेट हैं। तो लालची, डरपोक किस्म के लोग इनके झांसे में जल्दी आ जाते हैं।

साइबर बुलिंग का मतलब है ई-मेल, फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि सोशल साइट्स पर संपर्क साधकर धमकाने, ब्लैकमेल करने, गाली-गलौच करने, मानसिक रूप से प्रताड़ित कर अपना हित साधना। लोगों को लॉटरी आदि का लालच देकर, अश्लील फोटो डालने या सार्वजनिक करने की धमकी देकर, ब्लैकमेल कर रुपए ऐंठने से लेकर मानसिक तौर पर परेशान करने तक सारे हथकंडे अपनाए जाते हैं। साइबर टेररिस्ट ई-मेल, फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि पर संदेश भेजकर, संपर्क बनाकर गोपनीय जानकारी प्राप्त करते हैं और उसका उपयोग संबंधित के खिलाफ करते हैं। चूंकि कोरोना काल में बच्चे पढ़ाई के चलते ऑनलाईन क्लासों से जुड़ रहे हैं तो बच्चों में इंटरनेट का उपयोग बढ़ा है। ऐसे में बच्चों को आसानी से साइबर टेररिस्ट निशाना बना रहे हैं। उनसे परिवार, माता-पिता आदि की जानकारी प्राप्त कर उन्हें डरा-धमका कर तनाव में ला रहे हैं।

इसी तरह से हनी ट्रैप के मामले भी इसी तरह संचालित हो रहे हैं। लोगों को लॉटरी का भय दिखाकर, इंश्योरेंस पॉलिसी में अधिक बोनस दिलाने, कहीं से पैसा आने और उस राशि को आपके खाते में डालने का झांसा देकर खाते की जानकारी लेकर

ठगना आम है। इसी तरह महिलाओं-युवतियों के अश्लील फोटो सोशल साइट्स पर सार्वजनिक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना आम होता जा रहा है। इसी तरह से आपके एटीएम कार्ड की वैधता खत्म होने या उसे रिन्यू करने या उससे लेन-देन की राशि को बढ़ाने, अपग्रेड करने का झांसा देकर नंबर प्राप्त कर खाते से धनराशि उड़ाना तो आम होता जा रहा है।

दरअसल साइबर टेररिस्ट इंटरनेट व कम्प्यूटर के अच्छे जानकार होते हैं। ये आपकी मेल को हैक कर, सोशल मीडिया पर आपके नाम से गलत व भ्रामक सूचना अपलोड कर ठगी करने आदि में एक्सपर्ट होते हैं। लोग इनके झांसे में आसानी से आ जाते हैं। हालांकि बैंकों, इंश्योरेंस कंपनियों आदि द्वारा बार-बार समझाया जाता है कि बैंक किसी से मोबाइल, वाट्सएप आदि पर किसी तरह की जानकारी नहीं लेते। इसी तरह से बार-बार कहा जाता है कि अनजानी साइट पर जाने, अनजाने लिंक को ओपन करने से जितना बचा जाए, वहीं सबसे बड़ी सुरक्षा है। कभी भी सोशल साइट्स और ईमेल पर अनजाने लोगों को व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करें। यहां तक कि सोशल साइट्स पर जानकारों से भी जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतना आवश्यक है।

दूसरी बात, थोड़े से लालच में अपनी कड़ी मेहनत से कमाई पूंजी को लुटाने का मतलब नहीं है। जब आपने लॉटरी ली ही नहीं तो आपकी लॉटरी कहां से निकलेगी। जब आपको कोई जानता नहीं तो लॉटरी के लिए आपका ही चयन क्यों करेगा। जब आप किसी को जानते ही नहीं तो वह आपके खाते में राशि क्यों ट्रासंफर करवाएगा। इसी तरह जब कोई आपको जानता नहीं तो आपके साथ साझा कारोबार क्यों कर करेगा, यह सब समझने की बात है। हमारे लालच या भय के कारण इन्हें प्रोत्साहन मिलता है और यह इसका गलत फायदा उठाते हैं।

होना तो यह चाहिए कि जब इस तरह की कोई घटना आपके साथ हो रही हो तो तत्काल पुलिस की सहायता लेनी चाहिए। डरना या ब्लैकमेल से टेंशन में आना, इसका कोई निदान नहीं है। दूसरी ओर यह समझना चाहिए कि जो आपको ब्लैकमेल कर ठग रहा है, उसके लालच का कोई अंत नहीं है। ऐसे में बिना किसी सामाजिक भय के खुलकर सामने आते हुए पुलिस का सहयोग लेने में नहीं हिचकिचाना चाहिए। इस तरह की घटना होने लगे तो पुलिस के साइबर थाने या अपने निकट के थाने में पुलिस से संपर्क साधकर जानकारी देनी चाहिए।

बच्चों और महिलाओं को भी सजग करते हुए उन्हें साइबर टेररिस्टों की गिरफ्त में आने से बचाने के लिए सजग करना चाहिए। साइबर टेररिस्टों के चंगुल में आ भी जाए तो हताश होने के स्थान पर पुलिस का सहयोग लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिए। नहीं तो साइबर टेररिस्टों के हौसले बढ़ते जाते हैं। बच्चों व महिलाओं को भी साइबर टेररिस्टों की संभावित गतिविधियों के बारे में सजग करना होगा ताकि वे किसी तरह की जानकारी साझा नहीं करें। वहीं भयभीत न होकर इस तरह की घटना होने की स्थिति में तत्काल जानकारी देने का साहस जुटा सकें। नए जमाने के इन साइबर टेररिस्टों से बचने के लिए हमें ही अधिक सजग और सशक्त होना होगा।

सपना तो अंधकार की भांति है, यह तभी तक रहता है जब तक कि प्रकाश नहीं होता है

जहां तक प्रेम और प्रसिद्धि का संबंध है, दिव्य-स्वप्न देखना पूर्णता सही हैद्र्वे स्वप्न-संसार के ही अंग है। तुम जितने चाहो स्वप्न देख सकते हो। प्रेम एक स्वप्न है, ऐसे ही प्रसिद्धि भी, वे स्वप्न के विपरीत नहीं हैं। सच तो यह है कि जब स्वप्न देखना बंद हो जाता है, तो वे भी गायब हो जाते है। उनका असित्व उसी आयाम में है, सपनों के आयम में।

सपना तो अंधकार की भांति है। यह तभी तक रहता है जब तक कि प्रकाश नहीं होता है। जब प्रकाश फे लता है, अंधकार बस वहां से विलीन हो जाता है, वह पल भर भी वहां रह नहीं सकता। सपना इसलिए है क्योंकि जीवन अंधकार पूर्ण, फीका और उदासीन है। सपना तो तुम्हारी एक पूरकता जैसा होता है। क्योंकि असली प्रसन्नता तो हमारे पास है ही नहीं। इसलिए उसके विषय में हम केवल सपना ही तो देख सकते है। क्योंकि सच में हमारे पास जीवन में कुछ है ही नहीं, यह सत्य हमें बड़ी पीड़ा देता है, तब इस सत्य को हम कैसे सहन कर पाएगे? यह एकदम असहनीय हो जाता है। सपने इसे सहनीय बना देते है। सपने हमारी सहायता करते है। वे हमसे कहते हैं, 'ठहरो! जरा आज सब कुछ ठीक नहीं है? परंतु तुम चिंता मत करो, कल देखना हर चीज ठीक हो जाएगी। हर कार्य तुम्हारी सोच की तरह से होगा। बस कुछ तुम्हें प्रयत्न करना होगा, शायद अभी उतना प्रयास न किया जितना की करना चाहिए था, चलों कोई बात नहीं, तुम्हारे भाग्य ने तुम्हारा साथ न दिया होगा। कुछ परिस्थियां तुम्हारे विपरित रही होंगी। परंतु तुम घबड़ाओ मत, सदा तो ऐसा नहीं होगा। और देखना ईश्वर बड़ा करुणावान है, दयालु है, संसार के सभी धर्म कहते है कि ईश्वर बड़ा दयालु है, बड़ा करुणावान है। यह आशा की धुंधलका तुम्हें घेरे ही रहता है। तुम उससे बाहर देख ही नहीं सकते।

मुसलमान निरंतर दोहराते हैंरू अल्लाह बड़ा मेहरबान है, रहमान हैद्र्करुणावान है, कृपालु है? क्यों वे बार-बार दोहराते है! हर बार जब भी वे 'अल्लाह' शब्द का उच्चारण करते हैं, वे इसे दोहराते ही रहते हैंद्र्मेहरबान, दयालु, करुणावान है। परंतु अगर वह करुणावान न हुआ तब हमारे सपने, आशाएं कहां जाएंगे? हमारे सपनों के अस्तित्व के लिए उसे दयालु होना ही होगा, क्योंकि वही तो हमारी आशा है, उसकी दया में उसकी करूणा में। कल सब कुछ ठीक हो जाएगा, कल उन्हें ठीक होना ही होगा।

डीडीसी चुनाव से बौखलाया पाकिस्तान

सिद्धार्थ शंकर

कश्मीर घाटी में आतंकवाद की कमर टूटने और अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार हो रहे डीडीसी चुनाव से बौखलाया पाकिस्तान घुसपैठ के पुराने रूटों को सक्रिय कर रहा है। पुंछ जिले में पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में रविवार को 16 साल बाद आतंकियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ इसकी तसदीक करती है। पीओके से घुसपैठ कराने के बाद यह रूट आतंकियों को कश्मीर घाटी पहुंचाने पहुंचाने का जरिया था। वर्ष 2004 में यहां मुठभेड़ हुई थी। इसके बाद से पीर पंजाल में रेंज में कभी आतंकी मूवमेंट नहीं पकड़ी गई, लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद से

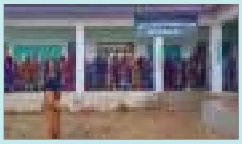

एलओसी पर लगातार गोलाबारी की घटनाएं हो रही हैं। इसी की आड़ में आतंकी घुसपैठ और हेरोइन व हथियारों की तस्करी की कोशिशें की जा रही हैं। मारे गए लश्कर के आतंकियों ने कुछ दिन पूर्व ही घुसपैठ की थी। इस दौरान एलओसी पर भारी गोलाबारी भी हुई। माना जा रहा है कि गोलाबारी की आड़ में घुसपैठ की गई है, लेकिन सरहदी इलाकों में सुरक्षा ग्रिड की मजबूती से आतंकियों की मौजूदगी का पता लगा लिया गया। वहीं पुंछ व आसपास के इलाकों में घुसपैठ समेत संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पहले से अलर्ट जारी किया गया है। हर संदिग्ध हरकत पर संवेदनशील इलाकों को खंगाला जा रहा है। एलओसी से घुसपैठ करने के बाद आतंकी डोगरेयां से पोशाना तक कैसे पहुंच गए, सुरक्षा एजेंसियां अब इसकी जांच में जुट गई हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान जिन इलाकों में भारी गोलाबारी कर रहा है, उसके आसपास वाले इलाकों में आईएसआई स्थानीय स्लीपर सेल तैयार करने में लगी है। गोलाबारी के लिए उन्हीं इलाकों का चुना गया है, जहां से पहले घुसपैठ होती रही है। घुसपैठ के इन पुराने रूटों में बालाकोट, मनकोट, करमाड़ा, कृष्णाघाटी, कीरनी, कस्बा और शाहपुर शामिल हैं। इन इलाकों में गोला बारूद भी बरामद होता रहा है। लश्कर के तीन आतंकियों की पोशाना में मौजूदगी का इनपुट एक गुमशुदगी मामले की जांच से मिला। सूत्रों ने बताया कि एक स्थानीय तालिब हुसैन (46) निवासी डोगरेयां 9 दिसंबर को लापता हो गया था। पुलिस को सूचना मिली कि तालिब नदी किनारे से बजरी लेने गया और लौट कर नहीं आया। तालिब को ढूंढने के लिए जब टीमों को लगाया तो इलाके में संदिग्ध होने के इनपुट भी मिले। इसी जांच के आगे बढ़ने पर आतंकियों की मौजूदगी का पता चल गया। हालांकि पुलिस ने अभी तक तालिब की गुमशुदगी को आतंकी घटना से जोड़कर नहीं माना है।

जम्मू-कश्मीर में इन दिनों चल रहे जिला विकास परिषद (डीडीसी) के चुनावों में जिस उत्साह और जोश के साथ लोग मतदान कर रहे हैं, वह घाटी में आतंकवाद फैलाने वालों को कड़ा जवाब है। वोट डालने के लिए घरों से बाहर निकल रहे लोगों ने अब यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वे घाटी में आतंकवाद का खात्मा चाहते हैं। प्रदेश में डीडीसी चुनाव के लिए अब तक मतदान के छह चरण पूरे हो चुके हैं। आतंकग्रस्त इलाकों में मतदान केंद्रों पर लोगों की न सिर्फपुरुषों, बल्कि महिलाओं की भी लंबी-लंबी कतारें इस बात का प्रमाण हैं कि राजनीतिक गतिविधियों को बड़े पैमाने पर जनता की स्वीकार्यता मिल रही है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी किए जाने के बाद यह पहला मौका है जब स्थानीय स्तर पर चुनावों की शुरुआत से राजनीतिक गतिविधियों ने जोर पकड़ा है। अब पाकिस्तान से लेकर अलगाववादी गुट और स्थानीय राजनीतिक दल अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि आम जनता को लंबे समय तक अंधेरे में रख कर अपनी दुकान नहीं चलाई जा सकती। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि आतंकवाद के कारण कश्मीर को हर तरह से भारी नुकसान पहुंचा है। प्रदेश में उद्योग-धंधे चौपट हुए, बेरोजगारी बढ़ी, आए दिन के बंद और हिंसा के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का ढांचा चरमरा गया और राज्य न सिर्फ आर्थिक बदहाली की ओर जाता रहा, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी भारी नुकसान पहुंचा। प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी के कारण ही आतंकवादी संगठन स्थानीय नौजवानों को भटकाने में कामयाब होते रहे और गावों में पैठ जमाते गए। आज सुरक्षाबलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण इलाकों में आतंकी संगठनों की पैठ को खत्म करने की है। अब कश्मीर को आगे ले जाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सरकार, प्रशासन और राजनीतिक प्रक्रिया में लोगों का भरोसा पैदा हो, जैसा कि डीडीसी चुनावों में नजर भी आ रहा है। तभी लोग विकास की धारा से जुड़ पाएंगे। घाटी में स्थानीय स्तर पर राजनीतिक प्रक्रिया से विकास के बुनियादी कामों को भी गति मिलेगी। वहां अगर अमन-चौन कायम होगा तो नए काम-धंधे भी शुरू होंगे और नौजवानों को रोजगार भी मिलेगा। शांति और विकास की यह नई इबारत ही आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब होगी।

मदद और हौसलें से कोरोना का डर कम

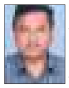

निलय श्रीवास्तव

मदद और हौसले से कोरोना का डर कम

(लेखक- निलय श्रीवास्तव)

प्राकृतिक आपदा पर किसी का नियंत्रण नहीं होता है। लेकिन लोकतांत्रिक सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि ऐसे संकट के समय में वह अपने नागरिकों का साथ दे। इस दृष्टि से जब मध्यप्रदेश की ओर देखते हैं तो शिवराजसिंह सरकार हर पहलू पर सौफीसदी खरी उतरती है। कोरोना संकट के समय शिवराजसिंह चौहान योद्धा की तरह डटे हुए हैं। लोगों को साहस बंधा रहे हैं। हौसला दिला रहे हैं और वह सबकुछ करने की कोशिश में हैं जिससे जनता सुरक्षित रहे। कोरोना से निपटने जब देशव्यापी लॉकडाउन हुआ तब मध्यप्रदेश अकेला राज्य था जिसने आगे बढ़कर न सिर्फअपने राज्य के लोगों की वापसी में मदद की बल्कि दूसरे राज्यों के लोगों को उनके घर पहुँचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन किया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के चौथे कार्यकाल में कोरोना उनके लिए चुनौती के रूप में खड़ा था लेकिन चुनौती को संभावना में बदलने वाले शिवराजसिंह ने अपने प्रदेश को कोरोना संकट से सम्हाल लिया।

देश के साथ-साथ मध्यप्रदेश में भी कोरोना महामारी का प्रकोप बरकरार है। लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालने वाली इस महामारी ने देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर दिया है। हम पहले जैसे हालातों में कब लौटेंगे यह कोई नहीं जानता। कोरोना से बिगड़ रही अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवसायिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखने वालों का मानना है कि वर्तमान हालात को देखकर लगता नहीं कि स्थिति जल्दी सामान्य हो पायेगी। उनके अनुसार हालात सामान्य होने में एक वर्ष या इससे अधिक समय भी लग सकता है। एक तरफ कोरोना महामारी से जान माल का खतरा तो दूसरी ओर गिरती अर्थव्यवस्था का बोझ। वैसे वर्तमान हालात एक सबक ही हैं,यह समझना होगा कि दरवाजे पर खड़ी आपदा को गंभीरता से नहीं लिया तो परिणाम देखने के लिए शायद हम जीवित ही न रहें। कोरोना संकट के दौरान विपरीत परिस्थितियों में भी यदि हमें जीवन के सुखद सपनों का अहसास मिला तो हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आंखों में। आरम्भ से लेकर अब तक वे कोरोना से लड़ने के लिए सबको संबल देते रहे। याद दिलाना काफी होगा कि कोरोना महामारी से लड़ने तथा उसे बढ़ने से रोकने के लिए लॉकडाउन जैसे विकल्प पर सही समय पर फैसला हुआ तथा प्रधानमंत्री के एक आह्वान पर पूरा देश उनके साथ उठ खड़ा हुआ। जिस भारत देश में महज दो दिन की तालाबंदी से अर्थव्यवस्था बिगड़ जाती है वहां महिनों के लॉकडाउन से क्या हश्र हुआ

यह सभी ने

देखा। फिर भी देश के लोग न रूके और न ही थके। प्रधानमंत्री आह्वान करते रहे और लोग अपने निश्चय पर अटल रहे। अंततरू माना यह गया कि लॉकडाउन की पीड़ा कठिन जरूर है लेकिन कोरोना से बचकर तथा स्वस्थ रहकर हम अपनी अर्थव्यवस्था को दोबारा गति दे सकेंगे।

कोरोना महामारी से देश के अनेक राज्य हर मोर्चे परजूझ रहे हैं वहीं मध्यप्रदेश में सरकार के सुनियोजित प्रयासों से स्थिति बेहतर है। मध्यप्रदेश चूंकि देश का हृदयस्थल है। देश के अनेक राज्यों का आवागमन यहीं से होकर गुजरता है ऐसे में मध्यप्रदेश पर कोरोना का प्रभाव अधिक पड़ेगा यह अनुमान आरम्भ से ही लगाया जा रहा था। लोग सकते में थे तभी 23 मार्च को शिवराजसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि संकट की घड़ी में सरकार आमजन के साथ खड़ी है। सर्वप्रथम अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी। टेस्टिंग किट को बढ़ाया गया। मुख्यमंत्री स्वयं स्वास्थ्यकर्मियों तथा पुलिसकर्मियों के साथ निरंतर संपर्क में रहे। शिवराज सिंह चौहान की मेहनत रंग लायी और मध्यप्रदेश में कोरोना का कहर थमने लगा। रिकवरी रेट भी अन्य प्रदेशों की अपेक्षा तेजी से बढने लगा। एक तरफजहां लोगों की स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा का दायित्व वहीं दूसरी ओर लॉकडाउन के दौरान प्रदेश की कानून व्यवस्था की सुनिश्चितता। दोनों ही बड़ी जिम्मेदारियों का निर्वाहन शिवराज सिंह ने बखूबी किया। हालातों की प्रतिदिन समीक्षा कर आमजन के बीच पहुँचकर वे लगातार अपडेट लेते रहे। कोरोना प्रभावित लोगों के बीच पहुँचने तथा अस्पतालों का लगातार निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने अपने स्वास्थ्य की भी चिंता नहीं की। परिणाम यह निकला कि मुख्यमंत्री स्वयं कोरोना से ग्रसित हो गये। लेकिन वे घबराये नहीं बल्कि कोरोना से संघर्ष करते रहे और जनकल्याणकारी काम भी उन्होंने जारी रखे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेशवासियों से लगातार आह्वान करते रहे कि लम्बे समय तक लॉकडाउन रहने के कारण मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था पर जो विपरीत प्रभाव पड़ा है वह पीड़ादायक एवं निराशाजनक जरूर है लेकिन सबको स्वस्थ रखकर एवं कोरोना से बचकर हम अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोबारा गति दे सकेगें। यदि निश्चय अटल हो तो गिरती अर्थव्यवस्था को संभालकर उसे पहले से भी मजबूत स्थिति में लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री के अनुसार आने वाले कुछ ही वर्ष में मध्यप्रदेश एक बार फिर दूसरे राज्यों के लिए विकास का मॉडल बनकर उभरेगा।

मध्यप्रदेश के अनेक जिलों में कोरोना महामारी का प्रभाव अब भी है। वहां स्वास्थ्य तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी श्रृंखला में मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा है कि कोरोना संकट के साथ बारिश तथा कहीं -कहीं ओलावृष्टि से फसलों को जो नुकसान हुआ है उससे किसानों पर दोहरी मार पड़ी है। मैं तुरंत किसानों के बीच नहीं पहुंचा लेकिन सरकार हर समय उनके साथ खड़ी है। कोरोना काल में प्रभावित लोगों के जीवन में आर्थिक सुधार लाने के लिए सरकार ने प्रयास तेज कर दिये हैं। पिछले दिनों ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये स्व सहायता समूह के अंतर्गत धनराशि का वितरण किया। इससे प्रदेश भर की महिलायें लाभांवित हुई। किसानों को ऋण तथा अन्य तरह से मदद के साथ ही प्रदेश के मेधावी छात्रों को लेटॉप वितरित कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया गया। किसानों,गरीबों और मजदूरों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मदद करने के लिए मध्यप्रदेश में जो नवाचार हुए हैं वह पूरे देश के समक्ष नजीर हैं। एक बात जो सबने देखी कि सरकार की आमदनी कम होने के बावजूद जरूरतमंदों के लिए जो काम किये गए वह सराहनीय है। कोरोना संकट के दौरान लॉकडाउन से आमजन का जो नुकसान हुआ उसकी पूरी भरपायी तो नहीं की जा सकती लेकिन राहत देकर उनके आत्मविश्वास को दोबारा जगाया जा सकता है। मध्यप्रदेश में यही हो रहा है। इस सबका श्रेय मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को जाता है जिन्होंने निरूस्वार्थ भाव से स्वयं को जनता की सेवा में झोंक दिया। स्वयं कोरोना पीड़ित होने के बाद भी प्रदेश की सेवा करते रहे। यह पूरे समाज और देश के लिए ऐसा उदाहरण है जो कागज पर नहीं, आम आदमी की जिंदगी से वास्ता रखता है।

खेती की राजनीति या राजनीति की खेती !

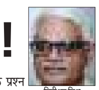

गिरीश्वर मिश्र

पखवाड़े के करीब बीतने को हुए खेती-किसानी के सवालों को लेकर दिल्ली को चारों ओर से घेरकर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का धरना-आन्दोलन बदस्तूर जारी है। सरकारी पक्ष के साथ पांच-छह दौर की औपचारिक बातचीत में कृषि से जुड़े तीन बिलों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई पर अभीतक बात नहीं बन पाई है। भारत बंद का भी देश में मिलाजुला असर रहा। अब आन्दोलन को और तेज करने और सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है। किसान के मन में कृषि के कॉर्पोरेट हाथों में दिये जाने की शंका बनी हुई है। वे प्रस्तावित तीन कानूनों को रद्द करने से कम पर राजी नहीं दिख रहे हैं। सरकार किसानों की मुश्किलों को दूर करने की कोशिश में जुटी है। संशोधनों के साथ जो प्रस्ताव सरकार की ओर से पेश किया गया है, वह किसानों को मंजूर नहीं है।

भारत मुख्यतरू कृषि प्रधान देश है परन्तु किसानों का शोषण भारतीय समाज की ऐसी पुरानी दुखती रग है जिसके लिये बहुआयामी सुधारों की जरूरत बहुत दिनों से महसूस की जाती रही है। स्वामीनाथन समिति ने महत्वपूर्ण सुधार सुझाए थे। चूंकि किसान का वोट सरकार बनाने के लिये जरूरी है इसलिए किसान पर हर दल की नजर रहती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसानों को आगे कर जो तर्क दिये जा रहे हैं और व्यवस्था दी जा रही है, वह तथ्यों से परे है। विपक्षी नेताओं के प्रयासों में राजनीति की बंजर पड़ती धरती में फसल उगाने की भी कोशिश साफझलक रही है। धीरे-धीरे एक-एक कर सारे विपक्षी दल अवसर पहचान कर लग गए। वे तीन नए सुधारों से जुड़े केन्द्रीय सरकार के कानूनों के विरोध में लामबंद हो रहे हैं।

स्वाभाविक है कि मुद्दों के अभाव में खाली हाथ समय बिताते विरोधी दलों के लिये यह अवसर उच्च मानवीय मूल्यों की रक्षा की आड़ में प्राणदायी दिख रहा था। इसलिये वे दल और नेता भी जो कभी खुद इस तरह के बदलाव लाना चाहते थे, ताल ठोंककर मैदान में आकर विरोध में डटने को तत्पर दिख रहे हैं। कुछ किसान भी हैं पर वे दमदार और हर तरह से संपन्न किसान हैं। उनमें ज्यादातर वे हैं जिन्हें खेती के अतिरिक्त और संसाधन भी उपलब्ध हैं। किसी ओर से वे उस व्यापक ग्रामीण जगत का प्रतिनिधित्व करते नहीं दिखते जो भारत के गावों में रहता है। उनमें बहुतों को न कानून का पता है न यही कि वे क्या चाहते हैं और उनकी भलाई किस नीति में है।

किसान नेताओं और सरकार के साथ वाद, विवाद और संवाद की कोशिश में विपक्षी दलों के हाथ बंटाने से पूरे मामले के राजनैतिक आशय प्रकट हो रहे हैं। भारत बंद को कुछ प्रदेशों की कांग्रेसी सरकारों के समर्थन ने इसे जाहिर कर दिया है। साथ ही यह बात भी स्पष्ट हो रही है कि कानूनों को बनाते समय किसानों के साथ जरूरी मशविरा नहीं किया जा सका था और उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया था। सरकार किसानों तक अपना पक्ष पहुंचाने में अपेक्षित रूप में सफल नहीं हो सकी। सरकार की रीति-नीति को लेकर जनता के भ्रम जिस तरह बार-बार टूटते रहे हैं उनसे विश्वास और भरोसे की खाई दिनों-दिन बढ़ती गई है। यह भी सच है कि अक्सर विकास की परिकल्पना में कृषि और गाँव हाशिये पर ही रहे हैं।

यह पूरा आन्दोलन राजनीतिक किसानी की अद्भुत मिसाल बन रहा है। सियासत चमकाने के लिये नेतागण किस-किस तरह की युक्तियों का उपयोग कर सकते हैं, सबके सामने आ रहा है। दिल्ली की राह रोकते समृद्ध किसानों के हावभाव को देखकर यही लगता है कि इनको देश की अधिकांश छोटे किसानों की कोई चिंता नहीं। एमएसपी के प्रश्न पर देशहित के बदले स्वार्थ के समर्थन को किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता।

गौरतलब है कि इस विकट समय में छोटे किसान आजकल खेत में जुटे हुए हैं। मण्डी में अनाज की पहुंच और बिक्री भी हो रही है। यह भी काबिले गौर है कि आन्दोलनरत हजारों किसानों के भोजन, स्वास्थ्य और मनोरंजन की चुनौती खुद किसान परिवार ही सभाले हुए हैं। पुलिस बल के साथ छोटी-मोटी तकरार के अलावा आन्दोलन पूरी तरह शान्तिपूर्वक चल रहा है। किसान अन्नदाता हैं और भारतीय समाज के मूल आधार हैं। राजनीति के फौरी हानि-लाभ तो हैं पर देश से छोटे हैं। देश की एकता-अखंडता और समृद्धि के लिए किसानों की मुसीबतों का प्राथमिकता से समाधान जरूरी है। खेती रहेगी तभी राजनीति भी हो सकेगी।

मोबाइल व्यसन- अभिशाप या वरदान बनने जा रही है

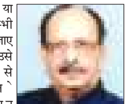

डॉ.अरविन्द प्रेमचंद जैन, लेखक

आज से लगभग सौ वर्ष पूर्व अंग्रेंजो ने चाय का प्रचार प्रत्येक मोहल्ले ,.चौराहों पर मुफ्त में चाय एक सप्ताह बांटी और उसके बाद दूसरे मोहल्ले गए ,इस प्रकार पूरा शहर और उसके बाद पूरा देश चाय का परजीवी बन गया और उन्होंने चाय की पत्ती का व्यापार किया और आज चाय हमारे देश की राष्ट्रीय पेय मानी जानी लगी.यह एक प्रकार की लत या व्यसन का रूप बन गयी और आज हर समय हर जगह चाय ने प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली। कुछ वर्ष पूर्व यह अफवाह फैली थी की चाय की पत्ती में कुछ कुछ अभक्ष्य पदार्थ मिलाया जाता हैं उसके फलस्वरूप कुछ लोगों ने चाय का त्याग किया पर आक्रामक व्यवसायीकरण ने इस अफवाह को भी दफन कर दिया।

जिस समय अर्जुन सुभद्रा को चक्रव्यूह के बारे में बता रहे थे और उसी समय उन्हें नींद आ जाने से अभिमन्यु जो गर्भस्थ थे चक्रव्यूह से बाहर निकलने का मार्ग नहीं सुन पाए और अंत में मृत्यु को प्राप्त हुए।

एक डॉक्टर युगल दंपत्ति को शिशु का जन्म हुआ ,कुछ समय के बाद नौकरी जाने के समय होने पर उन्होंने उस बालक को सुई की नौक बराबर अफीम चटाना शुरू किया उससे वह बालक लगभग 6 घंटे सोता रहता था। और उनकी नौकरी चलती रही ,कुछ समय बाद उस बालक की आदत अफीम की होने से उसके बिना बैचौन रहने लगा और अंत में अफीमची बना और मृत्यु को वरण किया।

विगत दिनों मोबाइल के कारण 12 से 15 वर्ष के बच्चों ने आत्महत्या कर ली। ये कोई नयी घटना नहीं हैं पर इन घटनाओं ने चिंतन मनन के लिए मजबूर किया। इसमें कौन दोषी हैं और कौन नहीं हैं यह महत्वपूर्ण नहीं हैं पर इस प्रकार की घटनाओं का होना किस दिशा और दशा की ओर व्यक्ति ,परिवार ,समाज ,देश को जाने के लिए मजबूर किया जा रहा हैं या किया गया हैं और किया हैं।

इसमें अभिमन्यु का उदाहरण श्रेष्ठ लगा कारण वर्तमान में मोबाइल का चलन इतना अधिक हो गया की गर्भवती महिलायें उस अवस्था में भी मोबाइल ,टी वी ,कंप्यूटर का उपयोग अनवरत करती हैं और जो भी आधुनिकता की सामग्री के संपर्क में होने से उनका प्रभाव गर्भवस्थ शिशु पर पड़ता हैं और उसके बाद उस शिशु के जन्म से ही उसे वे सव परिवेश मिल जाते हैं जिसका प्रभाव उस अबोल शिशु पर बरबस पड़ता हैं और वह उसी समय से उसका आदीध्अभ्यस्त होने लगता हैं। जैसे जन्म के समय ही उस शिशु को मोबाइल की चकाचौंध से प्रभावित कर दिया जाता हैं। तत्काल उस शिशु की फोटो सोसियल मीडिया पर ,टी वी पर आ जाती हैं। उसके बाद उसी समय से माँ अपने मोबाईल का उपयोग प्रसूति अवस्था में करती हैं ,अबोल बालक के कोरे मष्तिष्क पर इसका प्रभाव ध्वनि , प्रकाश के माध्यम से पड़ना शुरू होने लगता हैं। .इसके बाद उस बालक को टी वी के सामने लिटाया जाने के कारण वह टी वी के प्रति आकर्षित होकर उसके बिना छटपटाहट महसूस करके रोने लगता हैं और यहाँ से उसको इसके प्रति बीजारोपित किया जाने लगता हैं।

इसके बाद माँ बाप और अन्य परिवारजन इस वातावरण में डूबे रहते हैं तो उस शिशु के लिए मोबाइल या टी वी की शुरुआत कर दी जाती हैं ,उसकी सुविधा के लिए ,खाना पीने के लिए ,प्राकृतिक वातावरण में जीने के लिए इन माध्यमों का उपयोग शुरू होने लगता हैं ,वह शिशु अपनी दुनिया में खोने लगता हैं और माँ बाप अपने कार्यों के कारण उसे उपेक्षित करने लगते हैं या उसे पराधीन बना देते हैं।

फिर शिशु स्कूल जाने लगता हैं तब वह बैचौन अवस्था में आकर सबसे पहले टी वी खोलने लगता हैं और कोई कोई उसे मोबाइल के माध्यम से उसे गाफिल करने लगते हैं यानी खाना ,खेलना ,चलना फिरना पढ़ना टी वी के सीरियल के अनुसार होने लगता हैं उसे दिन याद नहीं रहता ,न समय मालूम होता की कितने बज गए पर सीरियल के अनुसार दिन और समय याद रहने लगता हैं। यह व्यसन की शुरुआत कह सकते हैं।

यदि पूरे परिवार का वातावरण टी वी मोबाईल संस्कृति से परिपूर्ण हैं तो कोई समस्या नहीं ,पर यदि माँ बाप जागरूक हो गए तब उसका विरोध करने पर बालक का आक्रोश या विद्रोह उभर कर सामने आने लगता हैं। वर्तमान में एकल परिवार और एकल बच्चा होने से माता पिता उसके सामने घुटने टेकने लगते हैं और उसकी आपूर्ति करते हैं न होने पर अज्ञात भय से ग्रस्त होने लगते हैं। यह क्रम कुछ वर्षों तक चलने से उसका व्यसन बन जाता हैं और फिर अंग्रेजों की चाय की स्थिति बनने से उसके बिना वह रह नहीं सकता। इसके बाद उसे अफीम जैसा नशा होने से वह अपनी दुनिया में रहने लगता हैं और या तो बेगाफिल होने लगता हैं या मरणासन्न हो जाता हैं जिसके कारण उसके सोचने समझने ,विचार करने की क्षमता खतम होने लगती हैं और वह काल्पनिक दुनिया में रहने लगता हैं। और उसकी स्वतंत्रता में जो बाधा पहुंचाता हैं वह उसका दुश्मन हो जाता हैं और वह दुशमन को दुश्मन समझकर व्यवहार करता हैं.इस प्रकार आपका बालक इस समाज का एक इकाई होने से वह समूह बनाकर समाज को निर्मित करता हैं और फिर अप्रत्यशित घटनाएं घटित होने लगती हैं। यह अवस्था असाध्य रोग की स्थिति में आ जाती हैं। जिसका इलाज कभी कभी मृत्यु होती हैं।

इसमें अब दोषी कौन हो सकता हैं तो सबसे पहले सुभद्रा को नींद का आना ,यानी हम जन्म के पहले से अपने शिशु को प्रभावित करते हैं और उसके बाद उसकी हर क्रिया को मोबाईल या कैमरे के माध्यम से कैद करने की होड़ लग जाती हैं ,और वह चाय जैसा व्यसनी होकर अफीमची बन जाता हैं। इस बात में कोई दो मत नहीं हैं की आधुनिक परिवेश की हर सामग्री हमारे लिए उपयोगी हैं उसके बिना जिंदगी सामान्य नहीं चल सकती। पर उपयोग ,सदुपयोग और दुरुपयोग करना हमारे हाथ में हैं। क्या हमारे जन्म के समय ये सुविधाएँ न होने पर हम अपना जीवन नहीं जी रहे। कभी कभी सामग्री होते हुए भी अभावजन्य जीवन जीना चाहिए कारण कभी उपलब्धता न होने पर हम विचलित न होने पाए पर जब हम शुरुआत से ही सुविधाएँ देंगे तो स्वाभाविक हैं हम पराधीन या परजीवी जरूर बनेंगे।

आज भी कई सुविधा सम्पन्न लोगों के यहाँ टी वी नहीं चलती या सीमित चलती हैं ,आज भी करोड़ों लोग सम्पन्न होते हुए भी सामान्य किस्म को मोबाईल उपयोग करते हैं या नहीं भी करते हैं। वे फोन के माध्यम से अपना काम सम्पादित करते हैं। .यदि हमें अपना और संतानों को जीवन सुखद बनाना हैं तो इस माध्यम को नियंत्रित करे या उपयोग न करे तब तक जब तक की बालक अपने पैर पर खड़ा न हो जाए या स्वावलम्भी न बन जाए ,हम उसे समय से पहले ज्ञानवान बनाना चाहते हैं तो आत्महत्या। हत्या ,या अयोग्यता को स्वीकारना पड़ेगा। यदि बालक योग्य निकल गया तो सोने में सुहागा अन्यथा वह नासूर बनकर जिंदगी भर कष्ट देगा।

यदि हमें अपने बालकों का भविष्य सुरक्षित रखना हैं तो स्वयं अनुशासित ,नियंत्रित होना होगा। हमें सामाजिक प्रतिस्पर्धा से दूर होकर स्वार्थी बनकर अपने बच्चों और बच्चियों के भविष्य को सुखद बनाना होगा इसके लिए बाह्य आवरण प्राकृतिक रखकर वास्तविक दुनिया में रहन होगा अन्यथा एक क्षण की भूल जिंदगी भर के लिए गुनाहगार बना देती हैं। यदि यहीं रफ्तार रही तो सभी लोग एकाकी जीवन यापन कर अपना जीवन शीघ्र समाप्त करने में नहीं हिचकिचाएंगे।

विषय गंभीर है, पर साध्य है इसके लिए हमें अनुशासित होना होगा। इसमें अन्य से तुलना करना उचित नहीं है, क्योंकि जब हम अपनों से प्रभावित होते है तब अहसास होता है। ऐसे में कोई अन्य मदद नहीं करता।

न्यूज ब्रीफ

पंचायत समन्वय अधिकारी को किया निलंबित

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जनपद पंचायत ठीकरी के पंचायत समन्वय अधिकारी हेमंत वैष्णव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, निलंबन काल में हेमंत का मुख्यालय जिला पंचायत बड़वानी नियत किया गया है।

जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज से प्राप्त जानकारी अनुसार पंचायत समन्वय अधिकारी हेमंत वैष्णव द्वारा अपने पदीन दायित्वों का निर्वहन नही करने एवं वरिष्ठ कार्यालय के आदेशों की अवहेलना एवं जिला पंचायत द्वारा चाही गई जानकारी समय पर उपलब्ध नही कराने के फलस्वरूण उक्त कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री 4 जनवरी को वीसी के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारियों से करेंगे संवाद

माही की गूंज, खरगोन। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान 4 जनवरी को वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस महानिरीक्षकों से संवाद करेंगे, गत 9 दिसंबर को कलेक्टर्स-कमिश्नर्स के साथ आयोजित कांफ्रेंस में कार्यवाही विवरण का पालन प्रतिवेदन, मप्र में मनरेगा के क्रियान्वयन, प्रदेश में रोजगार मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति, प्रधानमंत्री शहरी पथ विक्रेता स्वनिधि योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना का क्रियान्वयन, नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण-2021 की तैयारियों, मप्र में गौ-शालाओं के संचालन एवं प्रबंधन, प्रदेश में खनिज के अवैध उत्खनन की रोकथाम, स्व सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बैंक लिंकेज, मार्केट लिंकेज एवं उनके माध्यम से किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी। वीसी में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने एवं कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

विषय समुह का 19 दिसंबर तक चयन करना अनिवार्य

माही की गूंज खरगोन। प्रवेश प्रक्रिया-2020 में बीए में प्रवेशित नियमित विद्यार्थी अपने दस्तावेज महाविद्यालय में जल्द से जल्द प्रस्तुत कर 19 दिसंबर तक विषय समूह का चयन करना अनिवार्य होगा। महाविद्यालय प्राचार्य आरएस देवड़ा ने बताया कि, निर्धारित समयावधि में विषय समुह का चयन न करने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नामांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।

55 वनाधिकार पट्टे हुए स्वीकृत

माही की गूंज खरगोन। स्वामी विवेकानंद सभागृह में बुधवार को कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी की अध्यक्षता में वनाधिकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में समिति के सदस्य-सचिव आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त जेएस डामोर ने उप खंड स्तरीय समिति द्वारा मान्य दावे पर चर्चा की। जिले की भगवानपुरा में 28, झिरन्या में 1, कसरावद में 3 और बड़वाह में 23 दावे उप खंड स्तरीय समिति द्वारा मान्य किए गए। जिला स्तरीय समिति ने इन सभी 55 दावों को मान्य कर व्यक्तिगत अधिकार पत्र दिए जाने की अनुशंसा की। बैठक में खरगोन वन मंडलाधिकारी जेएस भार्गव, बड़वाह वन मंडलाधिकारी सीएस चौहान, समिति सदस्य नानूराम हिरालाल भूरिया एवं कमलसिंह नवलसिंह उपस्थित रहे।

फिरौती मांगने वाले आरोपी पर 10 हजार रूपए का इनाम

माही की गूंज, खरगोन।

अपहरण कर फिरौती मांगते व मारने की योजना बनाने वाले दल में शामिल फरार आरोपी पर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्रसिंह चौहान ने 10 हजार रूपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 अक्टूबर को भीकनगांव निवासी विशाल पिता कल्याणमल अग्रवाल ने थाना भीकनगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि, कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके पुत्र यश को मोबाईल लगाकर ऑनलाईन पार्सल लेने के बहाने अपहरण करने का प्रयास किया गया। धारा 27 साक्ष्य अधिनियम के मेमो में आरोपियों से उनके साथ शादाब पिता वहाब निवासी खुलवा का संलिप्त होना पाया गया। इन सभी आरोपियों द्वारा मिलकर विशाल के पुत्र यश को अपहरण कर फिरौती मांगना व यश को मारने की योजना बनाना पाया। अपराध सदर में आरोपी शादाब पिता वहाब निवासी खुलवा घटना दिनांक से फरार है। पुलिस अधीक्षक श्री चौहान ने कहा कि फरार आरोपी शादाब को गिरफ्तार करवाने या उसकी सही जानकारी देने वाले को घोषित 10 हजार रूपए का इनाम दिया जाएगा।

सेवा के नाम पर शिक्षा देने वाली एमडीएच स्कूल में ट्यूशन फीस के नाम पर हो रही वसूली

फीस नही देने पर ऑनलाइन पढ़ाई से किया वंचित

माही की गूंज, पेटलावद (झाबुआ)। राकेश गेहलोत।

महर्षी धर्मपाल दयानंद आर्य विद्या निकेतन (एमडीएच) संस्था द्वारा सेवा की मंशा से जिले के बामनिया में स्कूल का निर्माण किया गया जिसकी नींव भी दान की भूमि पर की गई। बामनिया सहित आसपास के लोगों ने भी नगर को मिलने वाले इस सौगात के लिए दिल खोलकर सहयोग किया, लेकिन संस्था शिक्षा को सेवा का माध्यम मानने वाली धीरे-धीरे व्यवसायिक हो गई है, कोरोना संकट के दौरान गरीब और जरूरतमन्दो तक जरूरी खाद्यान्न सामग्री पहुचाने वाली संस्था के सामने जब स्वयं की संस्था में पढ़ने वालों बच्चों की फीस वसुली की बारी आती है तो पूरी तरह सेवा भाव की नीति से हटकर कार्य करती है। कोरोना में बन्द पड़े स्कूलों के कारण संस्था ने बच्चों के लिए ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था मोबाइल एप्प के माध्यम से की थी, जिसके लिए संस्था ने बच्चों के पालको से ट्रूशन फीस के नाम पर फीस की वसूली की। जिन बच्चों के परिजनों द्वारा ऑनलाइन शिक्षा हेतु ट्रूशन फीस देने की सहमति नही दी उसको ऑनलाइन शिक्षा के एप्प से नही जोड़ा गया और जिन बच्चों के परिजनों ने समय पर ट्रूशन फीस नही जमा की उनको शिक्षा से वंचित कर मोबाइल एप्प से बहार कर दिया। पेटलावद के मनीष गांधी और दीपक झाड़मता जिनके बच्चे एमडीएच संस्था में पढ़ाई कर रहे है और प्रतिवर्ष संस्था द्वारा निर्धारित फीस जमा करते आ रहे है, कोरोना संकट में ऑनलाईन पढ़ाई की फीस समय से जमा नही करने पर संस्था द्वारा बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई से वंचित कर एप्प से बहार कर दिया, कई बार रिक्वेस्ट भेजने के बाद भी वापस नही जोड़ा गया। बच्चों के परिजन मनीष गांधी और दीपक झाड़मता ने बताया कि, जब संस्था में ट्रूशन फीस जमा करने गए तो संस्था द्वारा लेट फीस के नाम पर अतिरिक्त राशि ली गई। दीपक झाड़मता के अनुसार उसके बच्चे की फीस 8 हजार 200 रूपए ओर मनीष गांधी के अनुसार 8 हजार रूपए थी उसमे दो से चार हजार रूपए तक अतिरिक्त राशि वसुली गई,

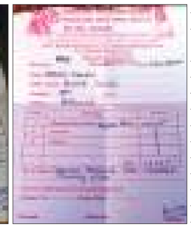

अतिरिक्त राशि का पूछे जाने पर संस्था का कहना था कि, ट्रूशन फीस में माह अक्टूबर के अंत तक राशि जमा करने पर 50 प्रतिशत की छूट थी और अक्टूबर के बाद इस छूट को घटा कर 25 प्रतिशत कर दिया गया। बच्चों के पालको से फीस संस्था के अनुसार जमा कर भी दी लेकिन ऑनलाइन शिक्षा से वंचित कर एप्प से नाम हटाने पर कोई जबाब नही दे पाए।

जिस पर पालकों का आरोप है कि, संस्था द्वारा ट्रूशन फीस के नाम पर अतिरिक्त राशि वसूलना ओर बच्चों को वंचित करना उचित नही है। एक ओर राज्य और केंद्र सरकारें निजी संस्थाओं पर फीस वसुली पर रोक लगा रही है। वही शिक्षा को पूरी तरह व्यवसाय बना चुकी निजी संस्थाएं किसी न किसी प्रकार से फीस वसुली का तरीका ईजाद कर वसुली करने में कामयाब हो ही जाते है।

अवैध नियुक्ति व नियम विरुद्ध सामग्री क्रय करने के मामले में बीईओ वाष्णेय के खिलाफ 20 लाख की वसूली के आदेश

माही की गूंज, पेटलावद (झाबुआ)।

पूर्व मे पेटलावद जिला झाबुआ मे पदस्थ व वर्तमान मे जिला मुख्यालय धार में पदस्थ ब्लॉक एजुकेशन ऑफीसर सुमन कुमार वाष्णेय पर राज्य शासन ने बीस लाख रुपए की वसूली के आदेश जारी किए हैं, इसी के साथ उनका डिमोशन भी किया है। बीईओ सुमन कुमार पर रिकवरी डीमोटेड करने की कार्रवाई झाबुआ जिले के पेटलावद में वर्ष 2016 में खंड शिक्षा अधिकारी रहने के दौरान नियम विरुद्ध सामग्री क्रय और विभागीय नियुक्ति करने सहित वित्तीय अनियमित्ताओं के आरोप को लेकर की गई है। इस मामले के आदेश आदिम जाति कल्याण विभाग धार को प्राप्त हो गए हैं, इधर शासन के आदेश के विरुद्ध वाष्णेय ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

पेटलावद मे खण्ड शिक्षा अधिकारी रहने के दौरान वाष्णेय द्वारा नियुक्ति की गई थी वह पूर्णता गलत पाई गई थी। उनके द्वारा नियुक्त कर्मचारियों द्वारा जो वेतन आहरण किया गया है शासन ने उसकी राशि रिकवरी के रूप में लेने के आदेश जारी किए हैं। इस मामले को लेकर वाष्णेय की शिकायत लोकायुक्त में हुई थी जिसमें लोकायुक्त ने शासन को विभागीय जांच के लिए मामला भेजा था, इन आरोपों में कलेक्टर अभिमत में भी सुमन कुमार को दोषी करार दिए गए थे, वहीं शासन स्तर पर हुई जांच में भी उन्हें दोषी पाया गया।

लेखपाल जोशी भी शामिल था

फर्जी वेतन भुगतान मामले में शामिल बीईओ कार्यालय पदस्थ लेखापाल उमेन्द्र जोशी पर भी इस मामले में फर्जी बिल तैयार कर भुगतान करने के आरोप लगे थे लेकिन लेखपाल जोशी की सेटिंग इतनी तगड़ी निकली की अपने से ऊपर उच्च अधिकारी को भी नपवा कर खुद फिलहाल मामले के फंसने से बच गया।

सांवरिया धाम कॉलोनी के पीछे शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण

एसडीएम ने मुक्त कराई करीब 2 एकड़ भूमि

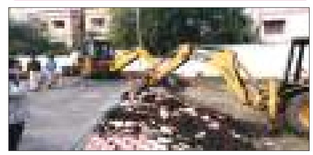

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश में चल रहे सुशासन अभियान के तहत बड़वानी में भी शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई दिनों-दिन आगे बढ़ती जा रही है। कलेक्टर की देख-रेख में संचालित हो रही इस कार्यवाही के तहत मंगलवार को एसडीएम बड़वानी ने करी में सांवरिया धाम कॉलोनी के पीछे 2 एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई जा रही कॉलोनी को दो जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर जमीन मुक्त कराई है।

एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर ने बताया कि, कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के निर्देश पर बड़वानी नगर एवं आसपास महत्वपूर्ण मार्गों, व्यवसायिक स्थानों पर हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई सतत् की जा रही है।

उन्होंने बताया कि, मंगलवार को इस कार्रवाई के तहत ग्राम करी में बनी सांवरिया धाम कॉलोनी के पीछे 2 एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर प्लाट काटे जा रहे थे। इस हेतु अतिक्रमणकर्ता को नोटिस जारी कर हटाने के निर्देश दिए गए थे। तत्पश्चात दो जेसीबी के माध्यम से कॉलोनी की बाउंड्री वॉल को तोड़कर एवं शासकीय भूमि पर बनाए गए कंक्रीट की सड़क को उखाड़कर लगभग 2 एकड़ जमीन मुक्त कराई गई है। बड़वानी-इंदौर मार्ग पर स्थित इस भूमि का बाजार मूल्य लाखों रुपए में आंका गया है।

इस दौरान मीडिया के प्रश्नों का जवाब देते हुए श्री धनगर ने बताया कि, शहर में अन्य अतिक्रमण को भी चिन्हाकित किया गया है, शीघ्र ही उन्हें भी हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

आयुष्मान भारत योजना के लिए जिलेभर में शिविरों का आयोजन, बडी संख्या में पहुंच पात्रताधारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता के निर्देन में जिलेभर में आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्रता धारियों के कार्ड बनाए जा रहे है, इसके लिए जिलेभर में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से प्रतिदिन जिलेभर में बडी संख्या में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाए जाने का कार्य प्रगति पर है। एसडीएम, सीएमएचओ, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारीगण, जिला प्रबंधक कॉमन सर्विस सेन्टर आदि उक्त शिविर स्थलों की व्यवस्थाओं और कार्ड बनाए जाने की प्रगति का निरीक्षण कर रहे है, वहीं कलेक्टर श्रीमती गुप्ता प्रतिदिन प्रति शिविरवार प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर रही है। कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने आमजन से आह्वान किया है कि, जिलेभर में आयुष्मान भारत योजना के कार्ड लोक सेवा केन्द्रों एवं सीएससी के माध्यम से शिविरों में बनाए जा रहे है।

बता दे कि, कार्ड बनाए जाने हेतु खाद्यान्न पर्ची धारक, संबल कार्ड धारी, एसईसीसी सूची में जिनके नाम है ऐसे परिवार के मुखिया एवं सदस्य आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनवाने हेतु अपना आधार कार्ड, पात्रता पर्ची, मोबाइल नं. लेकर शिविर स्थल पर पहुंचकर संपर्क कर उक्त कार्ड बनवा सकते है।

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य पदार्थों के लिए सैम्पल

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत बड़वानी, अंजड, सेंधवा, दवाना एवं तलवाड़ा बुजुर्ग की दुकानों का निरीक्षण खाद्य अधिकारियों के द्वारा किया गया, इस दौरान उन्होने दुकानों से खाद्य पदार्थों के नमूने भी लिए गए।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एचएल अवास्या से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़वानी की रिदम मार्केटिंग से धनिया पावडर, मिर्च पावडर, हल्दी पावडर एवं शहद का, पाटीदार सेल्स से टोस्ट, बिस्कुट एवं घी का, नवदुर्गा ट्रेडर्स से धनिया पावडर, मिर्च पावडर, हल्दी पावडर का, सेंधवा की शाह मूलचंद सेल्स से मिर्च पावडर, हल्दी पावडर एवं घी का, बबलू किराना से धनिया पावडर, मिर्च पावडर एवं मसालों का, दवाना की नारायण दूध डेयरी से दूध का, होटल गिरीराज से नमक का, अंजड़ की महावीर फूड से मिर्च पावडर का, सांईराम दूध डेयरी से दूध का, तलवाड़ा बुजुर्ग की भुवनेश्वरी किराना से चायपत्ती का नमूना लिया गया।

उन्होने बताया कि, लिए गए नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा, नमूनों की जांच रिपोर्ट उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम 2011 के तहत विधिवत कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा ने किसान बिल के सर्मथन में इंदोर में आयोजित किया किसान सम्मेलन

माही की गूंज, थांदला।

कल इंदौर में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमे किसानों का सम्मान व किसान हितेषी बिल के बारे में फैलाये जा रहे भ्रम, अराजकता व देश विरोधी गतिविधि वाले लोगो का जमावड़ा आदि के विरोध में ओर कृषि बिल के समर्थन में विशाल किसान सम्मेलन आयोजित हुआ है। जिसके अंतर्गत मंडल थांदला द्वारा विंभिन्न पंचायत के अंतर्गत आने वाले बूथों से सैकड़ो किसान बिल के समर्थन में इंदौर में एकत्रित हुए, इसी कड़ी में थांदला मंडल से 2 जीप ओर 3 बस व अन्य 5 मंडलों से 18 बस 12 तूफान व बोलेरो में किसान इंदोर गए थे। इस मौके पर किसान मोर्चा के अध्यक्ष जानकीलाल राठौर वरिष्ट नेता अशोक अरोड़ा, भाजयुमो जिला महामंत्री संजय कलसिंग भाभर, पूर्व मंडल अध्यक्ष नटवर पवार, मंडल उपाध्यक्ष राकेश सोनी, महामंत्री सुरेश राठौर, सुनील पणदा, प्रांजल वैरागी, अक्षय पाटीदार, सुजीत भाभर, सरपंच खुशाल सिंगाड, सरपंच नरसिंह भाभर, पारू पारगी, सुरेश बिलवाल, पांगला चारेल, प्रकाश डामोर, रूपसिंह बारिया, केशव डामोर, दुर्गेश मुनिया, काकनवानी मंडल अध्यक्ष कमलेश डामोर, नोगांमा मंडल से ज्ञानी भाभर, मेहताब डामोर, मदरानी मंडल सेवा डामोर, रुसमाल चरपोटा आदि सम्मेलन में शामिल हुए।

जिले की 376 शालाएं एक परिसर-एक शाला के रूप में होगी संचालित

माही की गूंज खरगोन।

आदिम जाति कल्याण विभाग ने 20 जिलों के 89 आदिवासी विकासखंडों में एक ही परिसर में विभिन्न स्तर की संचालित शालाओं को राज्य शासन के ÷एक परिसर-एक शाला÷ के अनुरूप संचालित किए जाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से एक ही परिसर में स्थित विभिन्न विद्यालयों में उपलब्ध मानवीय एवं भौतिक संसाधनों का सुव्यवस्थित तरीके से उपयोग हो सकेगा। साथ ही निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) का क्रियान्वन बेहतर तरीके से हो सकेगा। इस संबंध में आदिम जाति कल्याण विभाग ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि एक ही परिसर में संचालित एक से अधिक प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं का एक ही शाला के रूप में, एक से अधिक आश्रम शालाओं की प्राथमिक अथवा माध्यमिक शालाओं का कक्षा पहली से 8वीं तक एक ही शाला के रूप में तथा एक ही परिसर में संचालित एक से अधिक प्राथमिक अथवा माध्यमिक शालाओं का कक्षा पहली से 8वीं तक की एक ही शाला के रूप में संचालन होगा।

इन कक्षाओं का भी होगा एक ही शाला के रूप में संचालन

जारी आदेशानुसार एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक अथवा हाईस्कूल शालाएं कक्षा पहली से 12वीं तक की एक ही शाला के रूप में तथा एक ही परिसर में संचालित एक से अधिक हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी शालाओं का एक ही शाला के रूप में संचालन किया जाएगा। प्रदेश के 20 आदिवासी जिलों के 89 विकासखंडों में 150 मीटर की परिधि में एक ही परिसर में शामिल आश्रम शाला, प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल अथवा हायर सेकेंडरी शालाओं की कुल संख्या 10 हजार 506 है। इन्हें एकीकृत करने के बाद 4 हजार 746 नवीन एकीकृत परिसर गठित होंगे। निर्देशों में कहा गया है कि एक परिसर में संचालित विभिन्न स्तर की शालाओं के एकीकरण के बाद एकीकृत शाला का नाम वरिष्ठ स्तर की शाला के नाम से जाना जाएगा।

जिले के इन 7 विकासखंडों की शालाएं है शामिल

आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त जेएस डामोर ने बताया कि, एक परिसर-एक शाला के रूप में जिले की 7 विकासखंडों की 376 शालाएं शामिल है। इनमें भगवानपुरा विकासखंड की 66, झिरन्या की 63, महेश्वर की 58, भीकनगांव की 56, खरगोन की 52, सेगांव की 46 व गोगावां की 35 स्कूलें शामिल है। श्री डामोर ने कहा कि एक परिसर-एक शाला होने से सभी का डायस कोड एक ही रहेगा। ऐसा करने से बुनियादी सुविधाएं उचित रूप से इस्तेमाल हो सकेगी। वहीं आगामी समय में एप्रोच रोड़ सहित अन्य सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकेगी।

शिक्षकीय कार्य नौकरी नहीं सेवा है, इसलिए विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने का भागीरथ प्रयास किया जाए- कलेक्टर वर्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

शिक्षकीय कार्य नौकरी नहीं सेवा है। इसलिए सभी प्रधान पाठकों, प्राचार्यो को ऐसी व्यवस्था करनी होगी कि, हमारे जिले का विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों में पहुंच कर पढ़ाई कर सकें, जिससे हमारे क्षेत्र का नाम भी रोशन हो सके।

बड़वानी कलेक्टर शिवाजी वर्मा ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय के सभागृह में आयोजित जिले के समस्त संकुल प्रचार्यो, विकास खंड शिक्षा अधिकारियों, बीआरसी, डीपीसी, डीईओ एवं सहायक आयुक्त की बैठक में उक्त बातें कहीं। इस दौरान कलेक्टर ने शिक्षकीय कार्य करने वाले पदाधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, कोविड-19 के मद्देनजर शासन द्वारा जारी एसओपी का पालन करते हुए कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को विद्यालय में अध्यापन कराना सुनिश्चित करना है तथा जो विद्यार्थी डिजिलेप के माध्यम से घर से अध्यापन कर रहे हैं, उन्हें भी प्रतिदिन शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराएं। वही ऐसे विद्यार्थी जिनके पास मोबाइल, टीवी नहीं है अथवा नेटवर्क की समस्या है, ऐसे विद्यार्थियों को उनके पालकों की लिखित सहमति पत्र प्राप्त करते हुए विद्यालय में अध्यापन कराना सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने गत वर्ष के परीक्षा परिणाम की भी समीक्षा कर 0 से 30 प्रतिशत परीक्षा परिणाम वाले संस्था प्रचार्यो को निर्देशित किया कि, वे अपनी संस्था के शिक्षण कार्य पर और ध्यान दें, जिससे परीक्षा परिणाम बेहतर आ सके। जबकि कलेक्टर ने ऐसी शिक्षण संस्था जहां का रिजल्ट शतप्रतिशत आया था, वहां के प्राचार्यो को प्रोत्साहित करते हुए निर्देशित किया कि, वे प्रयास करेंगे कि उनकी संस्था में इस वर्ष शत-प्रतिशत नामांकन, छात्रवृत्ति स्वीकृति, वितरण के साथ-साथ परीक्षा परिणाम भी शतप्रतिशत आए।

दिन में बाजार में घूमकर करते हैं रेकी और रात में देते है चोरी को अंजाम

पुलिस अपराधों को नजरअंदाज कर अपराधियों के कर रही हौसले बुलंद

माही की गूंज, भामल।

कहते हैं 'वगर जाणिया नी जाणियोज करे चोरी' तात्पर्य कोई भी जान-पहचान का ही व्यक्ति चोरी या अन्य घटनाओं को अंजाम देता है और यह सत्य भी है। कुछ दिन पूर्व स्थानीय निवासी रामसिंह पालरा की ट्रैक्टर की ट्राली चोरी हो गई थी और पालरा के परिवार की सक्रियता के साथ चोरी गई ट्राली का खुलासा पुलिस कर पाई।

उक्त ट्राली चोरी करने वाला एक्सप्रेस 8 वे जीआर इंफ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्य करने वाला निकला जो भामल में 8 वे में बन रहे पुल निर्माण में मिस्त्री का काम करता था, यह मिस्त्री गांव में सभी से मेल-जोल बढ़ाकर होटल एवं दुकानों पर जाकर बैठता था वही मिस्त्री ने गांव की पूरी रेकी की और ट्राली चोरी को अंजाम दिया था।

इसी तरह शनिवार-रविवार की रात्रि करीब 11बजे बाद भामल पंचायत के ग्राम रूपापाड़ा का ही रहने वाला व परिचीत शैतान पिता रंगा भाभर जो गांव में प्रतिदिन आता है वरन सभी दुकानों पर जाकर व्यापार करता है व पूरे गांव से परिचित है, रामसिंह पालरा के घर उर्फ दुकान के बाहर फेटा बांध, कंबल ओढ़ कर आया और बाहर खड़े वाहनों पर अपनी चोरी की नियत डाली साथ ही वाहनों की चोरी के पूर्व अंधेरा करने की नियत से दुकान के आगे जल रहे बल्फको निकाला और अंधेरा कर दिया। इसी बीच कुछ दिन पूर्व ही रामसिंह पालरा के यहां ट्राली चोरी होने के बाद रामसिंह पालरा व परिवार सतर्क था और सुगबुगाहट के कारण रामसिंह पालरा की नींद एकदम खुल गई और सीसीटीवी कैमरे की टीवी स्क्रीन में देखा तो बाहर विद्युत बिजली होने के बाद भी अंधेरा था जिस पर परिवार को उठाया और बाहर जाकर देखा। परिवार के जागने और सतर्क होने के बाद बल्फके अलावा अन्य चोरी को अंजाम देने मे शैतानं कामयाब नहीं हुआ।

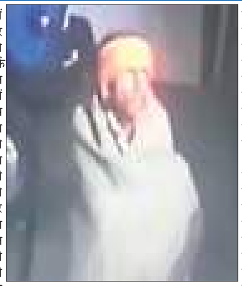

देखे किस तरह से चोर ने चोरी करने का किया प्रयास का सीसी टीवी विडीयो क्युआर कोड स्केन कर।

रामसिंह पालरा ने माही की गूंज को बताया कि, ट्राली चोरी के पूर्व मेरी दुकान पर रखी ट्रैक्टर, पिकअप, तूफान जिप सभी वाहनो की एवं अन्य चाबियां चोरी हो गई थी और जिस तरह से शैतान ने आकर सीसीटीवी कैमरे में केद वीडियो अनुसार बल्फचोरी करने के साथ मेरे वाहनो की चोरी करने हेतु ही आया था। पालरा ने बताया कि, शैतान रात्रि में अकेला नहीं बल्कि अपने अन्य साथियों के साथ आया होगा, जिन्हें साईड में खड़ा किया होगा तय है, मेरी दुकान से चोरी हुई चाबीये यही शैतान ले गया हो और शनिवार-रविवार की रात्रि में वाहनों की चोरी करने की नियत से ये आए और बल्फ चोरी के साथ अंधेरा कर चोरी करने की नियत पर हमारे जागने पर ये भाग गए और सारा मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, वीडियो के साथ पुलिस चौकी खवासा में रिपोर्ट दर्ज की गई।

वहीं बताया जा रहा है कि, रामसिंह पालरा के घर के समीप ही सहकारी संस्था की दुकान पर शैतान धान लेने आया था और सेल्समैन के साथ किसी बात पर कहासुनी हुई और सेल्समैन में फटकार भी लगाई थी।

सीसी टीवी में कैद हुआ चोर शैतान भाभर।

शैतान की शैतानियत सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद भी पुलिस मामले की तहतक नहीं पहुंच रही है, जिसे देख यह स्पष्ट है कि पुलिस किस तरह से अपराधों को नजरअंदाज कर अपराधियों के हौसले अपराध करने हेतु बुलंद कर रही है।

रिमझिम मावठे के बाद आसमान में छाया, बढ़ी ठंड

देर शाम नगर के मुख्य मार्ग पर कोहरे की धुंध

माही की गूंज, पेटलावद।

रिमझिम मावठे के बाद तीन-चार से शीतलहर चलने जैसा मौसम होने से ठंड काफी अधिक बढ़ गई है और आसमान में चारो और भारी कोहरा छा गया है , मौसम में हुवे अचानक हुवे परिवर्तन से आम लोगों की दिनचर्या भी बदल दी है। शीत प्रकोप के कारण लोगों को सर्दी खांसी, सिर दर्द और बुखार की शिकायतें होने लगी है। लोग ठंड से बचाव के लिए तरह-तरह के उपाय करने लगे हैं। सुबह जल्दी घूमने के लिए जाना भी कम हो गया है। आज दिन भर मौसम काफी ठंडा रहा। आने वाले दो- चार दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। हालांकि इससे रबी फसलों को लाभ और हानि दोनों होने की आशंका जताई जा रही है। अधिक दिन वाली फसलों खासकर टमाटर को नुकसान होगा जबकि बाद वाली को फायदा।

गर्म कपड़ों की खरीददारी शुरू

बीते दो-तीन दिनों में चली शीत लहर के चलते यहां गरम एवं ऊनी कपडो की मांग बढ गई है। नगर के विभिन्न भागो मे लगी बाहर के व्यापारियो की अस्थायी दुकानो पर दिनभर जमकर ग्राहकी चल रही है। ऊनी कपड़ो के साथ ही कंबल, शाल आदि की भी बिक्री हो रही है।

कई दिनों से बन्द पड़ा सार्वजनिक सुविधा घर, बस स्टेशन पर यात्रियों सहित बस चालको को हो रही परेशानी

माही की गूंज, रतलाम।

पिपलौदा नगर में नवीन बस स्टेंड तथा वार्ड क्रमांक 2 में सामुदायिक सुविधा घर पिछले 4 दिनों से बंद होने से नागरिकों व यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नवीन बस स्टैंड पर विभिन्न वाहनों के रात में रूकने से स्टाफ सदस्य तथा आसपास के दुकानदारों के लिए सार्वजनिक सुविधा घर ही प्रातः कालीन गतिविधियों के लिए सुविधाजनक स्थान है, लेकिन पिछले 4 दिनों से यहां लगी पानी की मोटर खराब होने से यह बंद हो गया था। कई उपयोगकर्ताओं को इसके अभाव में खुले में नदी के किनारे मजबूरी में शौच के लिए जाना पड़ा।

इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 2 बागरी बस्ती के अधिकांश रहवासी सार्वजनिक शौचालय का ही उपयोग करते हैं, लेकिन यहां भी पानी की समस्या के चलते इसे बंद कर दिया गया था। इससे रहववासियों को असुविधा हो रही थी, इस संबंध में प्रभारी मुख्य नपा अधिकारी भीमसिंह लहरी ने बताया कि, उक्त दोनों स्थानों की समस्या मंगलवार को ज्ञात हुई है, दोनों स्थानों पर पानी की मोटर खराब होने से समस्या हुई है, टैंकर के माध्यम से व्यवस्था कर वर्तमान की समस्या का समाधान किया गया है, नागरिकों की सुविधा के लिए बुधवार तक मोटर भी सुधरवाकर व्यवस्था को बहाल किया जाएगा।

एसबीआई बैक ने कियोस्क सेंटर का किया शुभारंभ

माही की गूंज, मेघनगर।

ग्राम अगराल में भारतीय स्टेट बैंक शाखा मेघनगर द्वारा एसबीआई कियोस्क बैंकिंग सुविधा सेंटर का शुभारंभ किया गया। इसके संचालक अमित गुर्जर (सीएसपी) रहेगे। इस क्षेत्र में कियोस्क बैंकिंग को शुरू करने की लंबे समय से ग्रामीणों द्वारा मांग की जा रही थी। इस मांग को एसबीआई बैंक द्वारा पूरा करने पर उपस्थित ग्रामीणजनों ने खुशी जाहिर की और बैंक का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उपशाखा प्रबंधक व फिल्ड ऑफिसर आशीष झारीया ने ग्रामीणजनों को कियोस्क बैंकिंग से मिलने वाली सुविधाओं एवं वित्तीय साक्षरता की जानकारी सहित डिजिटल बैंकिंग के फायदे भी बताए।

सेवा भारती संकुल पेटलावद ने अलग-अलग गांव मे किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद। स्वास्थ्य शिविर के साथ-साथ भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही आयुष्मान योजना का भी प्रचार प्रसार किया गया और साथ मे ग्राम पंचायत बाछिखेडा के सीएससी वीएलई हौने पर पेटलावद ब्लाक डिस्टिवेटर के निर्देश पर आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। ठिक इसी प्रकार पुंज बरवेट के ग्राम पंचायत बौडायता के ग्राम रुपापाडा में 30 से 35 लौगौ का उपचार किया गया जिसमें डॉ दिनेश गामडके द्वारा उपचार किया गया। स्वास्थ्य शिविर मे बौडायता सचिव अम्बाराम निनामा, आशा सुपरवाईजर रेखा चारेल, आशा भुरी बाई मैडा, कौटवार काना बारिया, ग्राम प्रमुख मल्ला पंगी, नन्दु पंगी, पुंज प्रमुख लक्ष्मण निनामा, सेवाभारती पेटलावद संकुल प्रमुख अम्रतलाल भाभर उपस्थित रहे। सेवा भारती संकुल 2 माह तक पेटलावद तहसील के ग्रामीण इलाको में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगी, इस दौरान दवाइयों का सहयोग गुरुजी सेवा न्यास इंदौर द्वारा निशुल्क उप्लब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया शाजापुर के विकास कार्यो का लोकार्पण

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर के विकास में कोई कसर एवं कमी नहीं रहने देंगे। यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शाजापुर नगर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में वर्चुअल रूप से शामिल होते हुए कही। इस दौरान राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया भी वर्चुअल कार्यक्रम में उपस्थित थे, समारोह के दौरान क्षेत्रीय सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष माखनसिंह चौहान, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती शीतल भट्ट, नगरपालिका उपाध्यक्ष मनोहर विश्वकर्मा, कलेक्टर दिनेश जैन, पुलिस अधीक्षक पंकज श्रीवास्तव, पूर्व विधायक पुरूषोत्तम चन्द्रवंशी, क्षितिज भट्ट, उमेश टेलर, शीतल भावसार, नवीन राठौर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, शाजापुर नगरपालिका लगातार विकास के प्रयास कर नगर में विकास की गंगा बहा रही है, इसके लिए नगरपालिका को शुभकामनाएं। शाजापुर नगरपालिका द्वारा महापुरूषों का आदर करते हुए संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर तथा स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की प्रतिमा का निर्माण किया, जिसका आज अनावरण हुआ है, को श्रृद्धासुमन अर्पित करते हैं। शाजापुर नगरपालिका द्वारा निर्मित इन्टकवेल, शॉपिंग काम्प्लेक्स, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय रसोई नवीन भवन, नगरपालिका भवन, स्वीमिंग पूल जैसे विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सबको बधाई दी। उन्होंने प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि, शाजापुर नगर के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने देंगे। वे स्वयं और ज्योतिरादित्य सिंधिया मिलकर शाजापुर में विकास की गंगा को आगे बढ़ाएंगे।

वहीं समारोह को वर्चुअल संबोधित करते हुए राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विकास कार्यों की सौगातों के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि, शाजापुर का विकास उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने शाजापुर नगर में सिंधिया परिवार द्वारा सन् 1912 में स्थापित मॉ राज राजेश्वरी माता को प्रणाम किया।

इसके उपरांत सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष श्री चौहान, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती शीतल भट्ट, अम्बाराम कराड़ा सहित अन्य अतिथियों ने महूपुरा चौराहे पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं धानमंडी स्थित नवीन पार्क में स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण किया तथा धोबी चौराहे स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। 18 करोड़ रूपए से अधिक के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास सहित विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ का वितरण समारोह के दौरान शासन की नगरीय क्षेत्र के 18 करोड़ 65 लाख 87 हजार रूपए लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ। साथ ही विभिन्न? योजनाओं के तहत स्व-सहायता समूहों के सदस्यों एवं स्ट्रीट वेंडर योजना के तहत हितग्राहियों को 5 करोड़ 37 लाख 21 हजार 600 रूपए का सांकेतिक रूप से वितरण किया गया।

ग्रामीण अंचलों में समय पर नही खुलते आरोग्य केन्द्र

ग्रामीण जन मजबूरी में झोलाछाप डॉक्टर के पास जाने को मजबूर

माही की गूंज, खवासा/भामल।

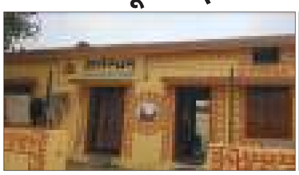

ग्राम पंचायत भामल में बाजना रोड पर स्थापित उप स्वास्थ्य केंद्र समय पर नहीं खुल रहे हैं, जिससे गर्भवती महिलाएं एवं ग्रामीण इसका फायदा नहीं ले पा रहे हैं केंद्र समय पर नहीं खुलने के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि, भामल ग्राम पंचायत में साढे तीन हजार की आबादी निवास करती है, ग्रामीणों की मांग के अनुसार साल भर पहले ही सीएचओ यानी हेल्थ एण्ड वेलनेथ की पदस्थापना की गई है, जिससे यहां के ग्रामीणों को इसका फायदा मिले इस उद्देश्य से सरकार ने यहां सीएचओ की व्यवस्था की है।

बता दे कि, भामल का आरोग्य केंद्र पर 16 प्रकार की दवाई व 8 प्रकार की जांच की जाएगी, तो वही भवन के रंग-रोगन का कार्य पूरा कर दिया गया है, डिलीवरी के लिए भी महिलाओं की प्रस्तुति भी की जाएगी, शासन द्वारा एक सीएचओ एवं एक एएनएम की पदस्थापना की गई है। लेकिन वर्तमान की स्थिति देखे तो काफी दयनीय है कभी सीएचओ मेडम नहीं आती हैं, कभी आती भी है तो 12 बजे या 1 बजे तक, जबकी टाइम 9 से 4 बजे तक का है। तो एएनएम भी समय पर नही आती है। दोनों मेडम बहार से अप-डाउन करती है, जबकि सीएचओ व एनएम को यहीं रहना है, का प्रावधान है ताकी रात में भी किसी प्रस्तुति महिला की इमरजेंसी हो प्रस्तुति करवा सके, लेकिन सीएचओ मेडम पेटलावद से प्रतिदिन आना-जाना करती जिससे वह समय पर नहीं पहुंचते तो वही एनएम जिनके पास प्रस्तुति करवाने का दायित्व है वह भी कल्याणपुरा से प्रतिदिन आना-जाना करती है। जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि, आरोग्य् केंद्र पर पदस्थ प्रस्तुति एएनएम व सीएचओ आरोग्य केंद्र पर ही रहे ताकि रात्रि में कभी भी कोई परेशानी हो तो ग्रामीणों को किसी स्वास्थ्य सबंधी परेशानी का सामना न करना पडे, उन्हे आरोग्य केंद्र पर ही निशुल्क दवा योजना का भी फायदा मिल सके, ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरुक करने का जिम्मा भी इन्हीं एएनएम व सीएचओ के भरोसे है। ऐसे में गांवों में चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है, साथ ही साथ उन्हें चिकित्सा सम्बंधी कल्याणकरी योजनाओं का फायदा भी नहीं मिल रहा है।

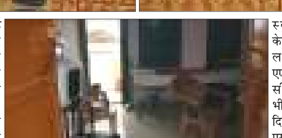

ग्रामीण हो रहे परेशान

ग्रामीणों ने बताया कि, आरोग्य केन्द्र में स्वास्थ्य केन्द्र पर लगी एएनएम व सीएचओ भी आए दिन समय पर नही आती है, स्वास्थ्य केन्द्र भी वीरान पड़ा रहता है। जिससे ग्रामीणो को चिकित्सा सुविधा का लाभ नही मिल रहा है, जिसके कारण मजबूरी में झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। आमजन को सरकार की विभिन्न योजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है।

नहीं मिल रहा फायदा

सरकार की ओर से मरीजों के लिए निःशुल्क दवा योजना व जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं, आरोग्य केंद्र के समय पर नहीं पहुंचने के कारण ग्रामीणजनों को काफी परेशानी होती है। पिछले दिनों ही कलेक्टर रोहित सिंह ने टीएल बैठक में स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं में जिले में आरोग्य केंद्र 747 है जिसका प्रचार प्रसार करने के लिए ग्राम पंचायत को जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन भामल में यह प्रचार प्रसार हवा में ही हो गया न तो ग्राम पंचायत ने इस प्रकार का कोई प्रचार प्रसार करा और न ही स्वास्थ्य विभाग की सीएचओ मैडम ने, जिससे ग्रामीणों को अभी भी भामल में स्वास्थ संबंधी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है।

भामल का आरोग्य केंद्र अतिक्रमण की चपेट में, लेकिन संबंधित अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

ग्राम पंचायत भामल का आरोग्य केंद्र जो नए सिरे से सुचारु रुप से शुरू किया गया वह आज अतिक्रमण की चपेट में है, अतिक्रमण की चपेट में होने के कारण भवन पर मरीजों व सीएचओ की बैठने की व्यवस्था सही ढंग से नहीं हो पा रही है, जिसके कारण काफी परेशानी होती है तो, वही दो एएनएम व एक सीएचओ यहां पदस्थ है जो एएनएम वर्तमान में पदस्थ है वह फील्ड वर्कर है उसने एक कमरे पर अपना रौब झाड़ा रखा है और एएनएम को डिलीवरी के लिए 24 घंटे सेवा देने का कार्य है वह प्रतिदिन आना-जाना करती हैं जिससे वह 2 बजे ही निकल जाती हैं। जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है तो वहीं भवन छोटा होने के कारण स्वास्थ्य विभाग में संचालित होने वाली योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। सिर्फतीन कमरों में ही आरोग्य केंद्र संचालित करने से सरकार की मंशा पर पानी फिरता हुआ नजर आता है।

कार्यालय नगर परिषद, पेटलावद जिला- झाबुआ (म.प्र.)

दूरभाष/फैक्स नं. 07391-265439/266151   Email - cmopetlawad@mpurban.gov.in

पत्र क्रमांक R259/राजस्व/दुकान निलामी   पेटलावद, दिनांक 10/12/2020

दुकान नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि नगर परिषद पेटलावद जिला झाबुआ (म.प्र.) द्वारा निम्न स्थानो पर 8 दुकानो को अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 के नियमानुसार तथा कलेक्टर गाइडलाईन अनुसार एवं अन्य व्यय मुल्य की गणना कर म.प्र.न.पा. अधिनियम 1961 की धारा 109 के तहत तालिका में वर्णित सम्पत्तियों के विक्रय हेतु बंद लिफाफे में 02 लिफाफा पद्धति पर निविदा आंमत्रित कि जाती है, प्रथम लिफाफे में 'अ' में अर्नेस्टमनी (सुरक्षा निधि) नगद/डी.डी. तथा आरक्षित वर्ग के होने की स्थिति में जाती प्रमाण पत्र एवं द्वितीय लिफाफे ''ब'' में निविदा दर पर निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करना होगी। प्रतिभुति निक्षेप (सुरक्षा निधि) की राशि पृथक-पृथक दुकान हेतु प्रिमीयम राशि के मुल्य की 25 प्रतिशत राशि नगद या बैंक ड्राफ्ट तैयार कर लिफाफे में निविदाकार दिनांक 24.12.2020 को कार्यालयीन समय सांय 5 बजकर 30 मिनिट तक प्रस्तुत कर सकते है। (तहसील कार्यालय के सामने वार्ड क्रं. 06 नगर परिषद काम्पलेक्स के पीछे)

निविदा 26.12.2020 को प्रातः 11 बजे पूर्वान्ह खोली जावेगी। विवरण लागत मुल्य सहित निम्नानुसार है।

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

नियम व शर्ते कार्यालयीन समय में (अवकाश के दिनो को छोड़कर) देखी जा सकती है।

मनोहर भटेवरा
अध्यक्ष
नगर परिषद पेटलावद

श्रीमती माया सतोगिया
उपाध्यक्ष
नगर परिषद पेटलावद

मनोज शर्मा
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद पेटलावद

गांजा ले जाते एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

पुलिस अधीक्षक गौरव तीवारी द्वारा अवैध गांजे के धड़पकड़ के लिए सतत चलाए जा रहे शिकंजा अभियान के तहत में रिंगनोद पुलिस ने माननखेड़ा-जड़वासा रोड़ स्थिर रेलवे अंडर ब्रिज के पास से आरोपी राजूलाल पिता रूपाजी मीणा (40) निवासी रियावन थाना कालूखेड़ा को गांजा ले जाते गिरफ्तार किया, उसके पास से दो किलो गांजा जब्त किया गया है। वही पुलिस ने बताया कि, वह गांजा कहा से लाया था और किसको देने जा रहा था इसका अभी पता नही लगा है, उसके खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेज दिया गया। बीते एक माह में नशे से जुड़े कई कारोबारी पुलिस के शिंकन्जे में आ चुके है।

21 व 22 दिसंबर को ब्लॉक तथा 23 दिसंबर को जिला स्तरीय रोजगार मेले का होगा आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देन में जिले में ब्लॉक स्तरीय एवं जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन रखा गया है। म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिन अलीराजपुर डीपीएम श्रीमती इंकू बघेल ने बताया कि, जिला प्रासन एवं म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिन के संयुक्त तत्वावधान में 21 दिसंबर को जनपद पंचायत उदयगढ में तथा 22 दिसंबर को जनपद पंचायत चन्द्रोखर आजाद नगर में ब्लॉक स्तरीय रोजगार मेले का ओयाजन रखा गया है। 23 दिसंबर को कृषि उपज मंडी अलीराजपुर में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन रखा गया है। उन्होंने बताया, रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार के सुअवसर का लाभ लेने वाले युवक-युवतियां उक्त मेले में संपर्क कर सकते है, उदयगढ में 8349901249, चन्द्रोखर आजाद नगर में 8349901208 एवं जिला स्तरीय मेले हेतु 8349901236 पर संपर्क कर सकते है।

उम्र दराज कलयुगी बाबूजी का जवान महिला से अपना एक तरफा प्रेम का ऑडियो हुआ वायरल बना चर्चा का विषय

सोशल मीडिया पर उड़ रही भाजपाई बाबूजी की खिल्ली

भाजपा नेता, पूर्व मंडी अध्यक्ष और समाज विशेष के बड़े पदाधिकारी की ऑडियो होने का किया जा रहा दावा

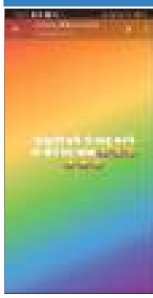

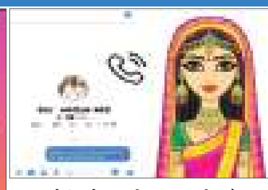

माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

संसदीय क्षेत्र के झाबुआ जिले के बड़े भाजपा नेता का महिला से बदनियत से बात करने व उसके ऑडियो का मामला अभी ठंडा नही हुआ था कि, रतलाम जिले के एक ओर रंगीले रत्न, उम्र दराज एक कलयुगी बाबूजी की महिला के साथ बदनियत से हुई बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर मजाक का विषय बन गया। वायरल ऑडियो में बाबूजी नाम के पात्र के नाम से जम कर पोस्ट कर के मजाक उड़ाई जा रही है। बताया जा रहा है वायरल ऑडियो में जो शख्स एक महिला के साथ गलत नियत से बात कर रहा है वो भाजपा से जुड़ा बताया जा रहा है और पूर्व में मंडी अध्यक्ष रह चुका है, साथ ही समाज विशेष का बड़ा पदाधिकारी भी है।

वायरल ऑडियो में बाबूजी अपने से आधी उम्र की महिला से दोस्ती करने के लिए कर रहे प्रयास

रतलाम जिले में एक ऑडियो पिछले 2-3 दिन से चर्चा का विषय बना हुआ है, दरअसल इस ऑडियो में एक व्यक्ति, महिला को रतलाम शॉपिंग कराने का और फिर दोस्ती करने का बोलता है, जब महिला दोस्ती के लिए मना कर बोलती है कि, आप की उम्र कहा और मेरी उम्र कहा आप मेरे पिता समान हो, हम इतने गरीब नहीं कि आप शॉपिंग करवाओ, जब बात बिगड़ने लग जाती है तो किसी ओर समुदाय की लड़की की जानकारी लेनी थी इसलिए तेरे को रतलाम चलने का बोल रहा था और फिर ऑडियो बन्द हो जाता है।

4 मिनट 35 सेकेण्ड का ये ऑडियो अब चर्चा का विषय बना हुआ है ओर लोग इस ऑडियो का काफी मजाक भी उड़ा रहें है, कुछ लोग ये ऑडियो मंडी के पूर्व अध्यक्ष और स्वयं के समाज के बड़े ओहदे पर बैठे व्यक्ति का बता रहें और उस व्यक्ति के समाज के साथ ही शहर से लेके गांव, गली व मोहल्ले तक चर्चा का विषय बना हुआ है और काफी लोग सोशल मीडियो पर हँसी उड़ा रहे है।

सुने कलयुगी रंगीले बाबूजी की ऑडियो क्युआर कोड स्केन कर।

मालवी भाषा में हुई बातचीत, लोग लगा रहे ठहाके

पूरी ऑडियो में दोनों पक्षो द्वारा मालवी भाषा में बातचीत की गई जिसे सुनकर बाबुजी हसी के पात्र बनकर हर कोई ठहाके लगाने पर मजबूर है। महिला को रतलाम खरीदी ओर दोस्ती के नाम पर झांसा देने वाले कलयुगी बाबूजी की उम्र भी 70 के पार होगी, ऐसे में उनकी मालवी रोमांस की ओडियो को सुन कर हर कोई मजे ले रहा है। मामले में आगे कोई खुलासा होता है और दावेनुसार मामला फिर से किसी भाजपा नेता से जुड़ा निकलता है तो, भाजपा की किरकिरी होना तय है। इस पूरे मामले में महिला या किसी पक्ष की ओर से अभी तक कोई शिकायत नही की गई है।

पुलिया में पाइप छोटा डालने से किसानों के खेतों में होता है नुकसान

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष देवड़ा ने किसानों की समस्या का लिया जायजा

माही की गूंज, रतलाम।

पिपलोदा तहसील के तालिदाना पंचायत के अंतर्गत तालिदाना और शक्कर खेड़ी के बीच में पूर्व में बनी हुई पुलिया में काफी छोटे पाइप रखे हुए हैं जिसके कारण बरसात के मौसम में पाइप में पानी नहीं निकलता और पुलिया के ऊपर से निकलता है जिसके कारण पुलिया भी डैमेज हो चुकी है और आसपास के सभी किसानों के खेतों में जलभराव हो जाता है जिनके कारण 25 से 30 किसानों की फसल पूरी तरह से नष्ट हो जाती है।

वहीं ग्राम शक्करखेड़ी में निचली बस्ती में पानी घुस जाता जिससे कई घरों में से पानी का भराव हो जाता है जिससे मकान गिरने की संभावना बनी रहती है इसको लेकर शकरखेड़ी के समस्त किसानों ने जनपद पंचायत पिपलोदा के उपाध्यक्ष श्यामसिंह देवड़ा को अवगत कराया था। देवड़ा ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया, उन्होंने ग्रामवासी को बताया है कि, इसमें केवल दो पाइप डाल रखे हैं जोकि कम है यहां दो पाइप की और आवश्यकता है इस समस्या के बारे में कलेक्टर को समस्या को लिखित में अवगत कराकर समस्या का हल कराने का आश्वासन दिया।

कोरोना कहरः लील गया कई जिंदगी

माही की गूंज, थांदला।

माह मार्च से नवंबर तक नगर में प्रशासनिक मौतों का आंकड़ा महज एक दर्जन है किंतु गैर प्रशासनिक तौर पर कोरोना संक्रमण के चलते युवा से लगाकर उम्रदराज लोगों की मौतों का आंकड़ा लगभग 30 से अधिक है। बीते त्योहरों व शादी समारोह के दौरान अत्यधिक भीड़ होने से यह संक्रमण अधिक फैला है शासन के अथक प्रयासों के बाद भी नगर में आमजन व ग्रामीण कोरोना संक्रमण को दरकिनार कर बिना मास्क के घूम रहे हैं। प्रशासन की मुहिम के तहत स्थानीय तहसीलदार पुलिस विभाग व नगर परिषद द्वारा संक्रमण के विरुद्ध बिना मास्क के दो पहिया वाहन चालकों के खिलाफ मुहिम चलाकर जुर्माना वसूला जा रहा है किंतु नियमों को दरकिनार कर ढाक के तीन पात वाली कहावत को प्रशासन व ग्रामीण चरितार्थ कर रहे हैं।

माही ठेकेदार द्वारा घटिया पाइपलाइन बिछाकर कर रहे कार्य की इतिश्री

दो वर्ष बाद शुरु हुई पाइपलाइन से किसानों को नही मिल रहा पानी, हकाई में उखड़ कर बहार आई पाइपलाइन

माही की गूंज, पेटलावद।

जल संसाधन विभाग के माही प्रोजेक्ट के माध्यम से विकास खण्ड में नहर और पाइपलाइन बिछाकर क्षेत्र के किसानों की भूमि सिंचित करने की योजना को जमीन पर उतारा गया, लेकिन करोड़ो की लागत से बनी नहर ओर पाइपलाइन का कार्य इतना घटिया किया गया कि, किसानों को योजना का लाभ आज तक नही मिल सका है तो, कई किसानों की सेकड़ो हेक्टेयर भूमि आज भी माही प्रोजेक्ट के दायरे में आने के बाद भी सिंचाई से वंचित है। 5 से 10 किसानों के बीच कुप तैयार कर पाइपलाइन बिछाकर किसानों को सिंचाई के लिए पानी देने की योजना ने शुरु होने से पहले ही दम तोड़ दिया। ठेकेदार द्वारा इतने घटिया स्तर का कार्य किया गया कि, खेतो में हकाई के दौरान ही पूरी पाइपलाइन बहार आ गई, पाइपलाइन ठेकेदार द्वारा तय मापदंड के अनुसार नही बिछाई गई न ही पाइप को सही ठंग से बिछाया गया, जगह-जगह पाइप मुड़े हुए डाल पर पैक कर दिए और जैसे ही पानी की सप्लाई शुरू हुई पाइप के जॉइंट खुल गए।

पेटलावद के थांदला रोड के किसानों के लिए बिछाई गई पाइपलाइन खोरिया नदी की दूसरी ओर से बिछाने का कार्य शुरू किया और नदी के एक छोर पर गिट्टी क्रेशर लगा हुआ है जहां बिछाई गई लाइन वाहनों की आवाजाही के कारण फुट गई तो नदी के बीच की लाइन को छोड़ दिया गया इस कुप से कई किसानों को जोड़ दिया गया जहां से पानी लेने के लिए नदी पार करके जाना पड़ता है नही तो कम से कम 5 से 7 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ेगा जो कि, किसानों के लिए समय और पैसे की बर्बादी है।

किसानों का कहना है कि, ठेकेदार द्वारा घटिया कार्य किया गया है पूरी लाइन हकाई में बहार आ गई है और फुट गई है यदि लाइन शुरू भी होती है तो पानी खेतो तक पहुंचना संभव नही है। कुल मिलाकर माही प्रोजेक्ट के अधिकारियों द्वारा पूरी योजना में बंदरबांट की नीयत से ठेकेदार द्वारा केवल कार्य समाप्त करवाया जा रहा है और ठेकेदार के घटिया कार्य पर विभाग के अधिकारियों और उपयंत्री की कोई देख-रेख नही है।

प्रोजेक्ट के उपयंत्री जयपाल बीस्ट का कहना है कि, कंपनी का कार्य अभी अधूरा है और जहां-जहां ठेकेदार द्वारा लापरवाही की जा रही है उसके लिए उच्चअधिकारियो को अवगत करवाया जा रहा है।

माही परियोजना के एसडीओ एमएस कुरेशी का कहना है कि, अभी प्रोजेक्ट शुरू हुआ है जहां भी इस प्रकार की कमियां आएगी उसे ठीक करवाया जाएगा, कई जगहों से भारी वाहन गुजरने से लाइन फूटने ओर हकाई में पाइप बहार आने की जानकारी मिली है जिस पर कार्य किया जा रहा है। मामले में जबाबदारो द्वारा ठेकेदार के घटिया कार्य पर किसी प्रकार की कर्रवाई की बात नही करना उनकी मंशा पर स्वतः सवाल खड़े करती है।

सीईओ भाई कोतवाल तो डर काहे का

जनपत सीईओ चौहान बने भ्रष्टों के संरक्षक, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को घोल के पी रहे है

माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।

पेटलावद विकास खण्ड की पंचायतों में जारी अनियमित्ताओं को उजागर कर उस पर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई के लिए आमजन सीएम हेल्पलाइन पर गुहार लगा रहे है, लेकिन विकास खण्ड की कई शिकायतकर्ताओं से ऐसी जानकारी मिल रही है कि, सीएम हेल्पलाइन 181 की शिकायतों की जांच घूम-फिरकर जनपत सीइओ के पास आती है और सीईओ चौहान भ्रष्ट पंचायतों के सरपंच-सचिव और रोजगार सहायकों को बचाने के लिए सीएम हेल्पलाइन की शिकायतो को ऑफिस में बैठ घोलकर पी जाते है। गूंज द्वारा खबर लगाने के बाद कई पंचायतो से ऐसी जानकारी सामने आई जहां शिकायत को निपटाने में सीईओ चौहान की भूमिका संदिग्ध है।

ग्राम पंचायत बामनिया से ऐसा ही मामला सामने आया है जहां सीएम हेल्पलाइन 181 की शिकायत बिना निराकरण किए ही निराकृत बताकर विलोपित कर दी। सीईओ चौहान के इस कृत्य से परेशान शिकायतकर्ता यशवंत डामर ने मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर अपनी शिकायतो का फर्जी निराकरण करने का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता यसवंत डामर ने बताया कि, मेरे द्वारा ग्राम पंचायत में चल रहे घटिया नाली निर्माण, मनरेगा योजना के तहत निर्माण किए तालाब का पहली बारिश में फूटना, घटिया सीसी रोड निर्माण की शिकायत क्रमशः वर्ष 2019, 2020 में की थी जिसके शिकायत क्रमांक 12596576, 12554564, 11906281 है। उक्त निर्माणकार्यो में अनियमित्ता के साथ घटिया निर्माण कार्य किया गया है एवं मनरेगा योजना में निर्मित तालाब पहली बारिश में ही फुट गया था। ग्राम पंचायत बामनिया के सरपंच-सचिव द्वारा घटिया निर्माण कर शासन के पैसों का दुरुपयोग किया गया है जिसकी शिकायत मुझ प्रार्थी द्वारा मुख्यमंत्री जनशिकायत सेवा 181 पर की गई थी लेकिन पेटलावद जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एनएस चौहान द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव से साठ-गांठ कर उक्त सभी शिकायतों का निराकरण होना दर्शा दिया गया है, लेकिन आज तक समस्या जस के तस बनी हुई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि, मेरे द्वारा की गई शिकायतों का बगैर निराकरण किए और मुझे किसी भी प्रकार की जानकारी दिए बिना ही मुझ शिकायतकर्ता को संतुष्ट बता दिया गया है और आज तक कोई भी अधिकारी उक्त शिकायतों की जांच करने नही आया है न ही मेरे समक्ष कोई जांच की गई हैं।

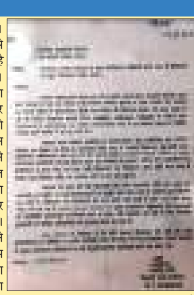

जनपद पंचायत पेटलावद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री की जनहितैषी योजनाओं को निचले स्तर पर लागू नही करवाया जा रहा है तथा मुख्यमंत्री एव वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है। शिकायतकर्ता की बिना जानकारी के 181 की शिकायतो के फर्जी निराकरण करने का पेटलावद जनपत का पहला मामला नही है लगातार इस प्रकार के मामले सामने आ रहे है जिससे शासन की छवि धूमिल होकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन की शिकायतों का निराकरण कर न्याय करने की मंशा पर भी पानी फिर रहा है।

शुजालपुर मंडी थाना खाकी को कर रही कंलकित, पिड़ितों को नहीं मिल रहा न्याय

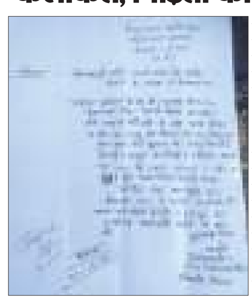

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

शुजालपुर में मंडी थाना होने पर जनता में खुशी तो जाहिर हुई थी मगर वही मंडी थाने में अपराधियों से सांठ-गांठ कर खाकी को कर्तव्य निष्ठा के विपरित जाकर फरयादी को ही गुनहगार बना देते है। शुजालपुर मंडी थाने पर अगर कोई पिड़ित अपनी शिकायत लेकर जाता है तो, उसे डरा धमकाकर भगा दिया जाता है फिर एफआईआर के नाम पर अदम चेक काटकर अपने कार्य की इतिश्री कर देते है, ऐसे ही कई मामले शुजालपुर में देखने को मिल सकते है। जब शुजालपुर फ्रीगंज में रहने वाले रामबाबू पिता देवनारायण मीणा के साथ देवेन्द्र पिता मेघराज जेन ने मारपीट की व उसे कट्टा दिखाकर धमकाया तो, रामबाबु अपने साथ हुई इस घटना की शिकायत लेकर शुजालपुर मंडी थाने पर गया, तो उससे आवेदन लेकर भगा दिया, लेकिन उस गरीब की एफआईआर तक नही लिखी गई। कुछ दिन बाद रामबाबू मीणा ने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की व पुलिस अधीक्षक के साथ आईजी को भी आवेदन कोरियर के माध्यम से भेजा, लेकिन रामबाबू मीणा को अभी भी न्याय नही मिला। शुजालपुर मंडी थाने के अधिकारियों द्वारा रामबाबू मीणा को बुलाया गया व उसे अदम चेक दे दिया गया। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने के बाद भी मारपीट करने व कट्टा दिखाकर धमकी देने वाले पर मामला दर्ज नही हुआ। आखिर शुजालपुर के पुलिस इससे क्या साबित करना चाहती है वही जाने, पर पिडित को डराया गया कि, आपके खिलाफ भी आवेदन है उसमें हम आपको नही छोड़ सकते है, वहीं सांठ-गांठ कर पिडित फरियादी को अदम चेक दे दिया।

ऐसे में अब शुजालपुर मंडी पुलिस के ऊपर से जनता का विश्वास उठ रहा है आखिर अब जनता किससे उम्मीद रखेगी ?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422